हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार, 1 सितंबर, 2025

9 मेजर ध्यानचंद के जीवन से प्रेरणा लें खिलाड़ी: एडीसी वीरेंद्र...

10 टोहाना और भूना में भारी बारिश, घरों व दुकानों में घुसा पानी...

खबर संक्षेप

7.40 लाख की ठगी के मामले में आरोपी काबू

सिरसा। साइबर क्राइम थाना सिरसा पुलिस ने ऑनलाइन ट्रेडिंग फ्रॉड मामले में आरोपी गिरफ्तार किया है। साइबर क्राइम थाना प्रभारी सुभाष चंद्र ने बताया कि विकास पुत्र ओमप्रकाश ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि उसे एक व्यक्ति द्वारा ऑनलाइन ट्रेडिंग में 200 प्रतिशत मुनाफे का लालच देकर धोखा दिया गया। शिकायतकर्ता ने झांसे में आकर टीम जैरोधा नामक व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़कर एक ऐप डाउनलोड करवाई।

जेजेपी किसान सैल की बैठक कल

सिरसा। जननायक जनता पार्टी के किसान सैल की जिला स्तरीय बैठक 2 सितंबर को जेजेपी के जिला कार्यालय में। पार्टी प्रवक्ता अमर सिंह ज्याणी ने बताया कि इस बैठक में मुख्यातिथि जेजेपी किसान सैल के प्रदेशाध्यक्ष नरेश द्वारका होंगे जबकि अध्यक्षता जेजेपी के जिलाध्यक्ष अशोक वर्मा करेंगे। उन्होंने बताया कि बैठक में मुख्यातिथि व अध्यक्ष पार्टी कार्यकर्ताओं को पार्टी संगठन की मजबूती के साथ-साथ जेजेपी द्वारा किसानों के हित में किए गए कार्यों को विस्तारपूर्वक बताया जाएगा।

दहेज उत्पीड़न मामले में आरोपी गिरफ्तार

सिरसा। पुलिस ने दहेज उत्पीडऩ के मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। महिला थाना प्रभारी दर्शना देवी ने बताया कि सिरसा की एक पीड़िता की शिकायत पर महिला थाना सिरसा में दहेज प्रताडऩा का मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद आरोपी तनिश को तफ्तीश में शामिल कर गिरफ्तार किया।

मोटरसाइकिल सवार चूरापोस्त सहित काबू

सिरसा। एंटी नारकोटिक्स सेल पुलिस ने गश्त के दौरान रानियां बाईपास क्षेत्र से मोटरसाइकिल सवार युवक को 1 किलो 742 ग्राम चूरापोस्त सहित काबू किया है। जानकारी के अनुसार पुलिस टीम गश्त व चैकिंग के दौरान रानियां बाईपास गणेश धर्मकांटा सिरसा पर मौजूद थी। इस दौरान एक मोटरसाइकिल सवार युवक पुलिस को देखकर घबराकर वाहन मोडऩे की कोशिश करने लगा। पुलिस ने शक के आधार पर उसे काबू कर उसकी तलाशी ली तो उसके कब्जा से 1 किलो 742 ग्राम चूरापोस्त बरामद हुआ।

वाहन चोरी के मामले में युवक को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। जिलेभर में अपराधियों की धरपकड़ और चोरी जैसी आपराधिक घटनाओं की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना शहर टोहाना पुलिस को सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर 2 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अमरीक सिंह पुत्र हंसराज निवासी लुधियाना, पंजाब के रूप में हुई है।

मारपीट के मामले में दो आरोपी काबू

फतेहाबाद। गांव मोहम्मदपुर सोत्र में हुई मारपीट के मामले में थाना भूना पुलिस ने दो आरोपियों को काबू किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान संदीप पुत्र करतार सिंह और आत्मा राम पुत्र करतार सिंह निवासी मोहम्मदपुर सोत्र के रूप में हुई है। थाना प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि यह मामला अशोक कुमार पुत्र कमल सिंह की शिकायत पर दर्ज किया गया। शिकायत के अनुसार 30 जुलाई की रात करीब 8:30 बजे, गांव की एक सब्जी दुकान पर किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई, जो जल्द ही मारपीट में तब्दील हो गई।

फतेहाबाद के 21 गांवों में 1561 किसानों ने मांगा मुआवजा

ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल पर 8,695 एकड़ फसल खराबे का दावा

पिछले दिनों 350 एमएम बारिश की दर्ज, नरमा की फसलें हुई खराब

सुरेन्द्र असीजा ⏭फतेहाबाद

जिले में पिछले दिनों हुई भारी बरसात से क्षतिपूर्ति पोर्टल पर अब तक जिले के 21 गांवों में 1561 किसानों ने 8695 एकड़ भूमि पर फसल खराबे का पंजीकरण करवाया है। बता दें कि पिछले दिनों यहां 350 एमएम बारिश हुई है, जिसके चलते अनेक गांवों में नरमा, धान, ग्वार व सब्जी की फसल पानी भरने से खराब हो गई थी। जिला राजस्व विभाग ने प्रदेश सरकार को भेजी रिपोर्ट में 21 गांवों में फसल खराब होने की बात कही थी। सरकार ने किसानों को मुआवजा देने के लिए 21 गांवों के लिए ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल खोल दिया था। फतेहाबाद जिला में भट्टूकलां के 14 गांवों व फतेहाबाद के 7 गांवों में राजस्व विभाग ने फसल खराबे की पुष्टि की थी। रविवार तक भट्टूकलां के 14 गांवों के 1027 किसानों ने 5928 एकड़ फसल खराबे के लिए अपना पंजीकरण करवा लिया है। इनमें बनमंदौरी में 32 किसानों ने 132 एकड़, बनावाली के 52 किसानों ने 197 एकड़, भट्टूकलां के 85 किसानों ले 544, ढाबी कलां में 102 किसानों ने 553, ढाबी खुर्द में 105 किसानों ने 604 एकड़, ढाण्ड गांव में 41 किसानों ने 196 एकड़, गदली में 33 किसानों ने 207 तथा जांडवाला बागड़ में 279 किसानों ने 1514 एकड़ भूमि में फसल खराबे का दावा किया है। इसी फतेहाबाद खंड के 7 गांवों में से मात्र 2 गांवों के 546 किसानों ने 2765 एकड़ में फसल खराबे के लिए पंजीकरण करवाया है। इसमें बड़ोपल में 96 किसानों ने 478, बनगांव के 70 किसानों ने 390 एकड़ खराबे का दावा किया है जबकि अलीपुर बरोटा, अयाल्की, बहबलपुर, बरसीन, बस्ती भीमां, भड़ोलांवाली व भट्टू खुर्द में अभी किसी किसान ने फसल खराबे पर पंजीकरण नहीं करवाया है।

फतेहाबाद। बरसात के बाद खेतों में भरा पानी। *फोटो: हरिभूमि*

सरकार को भेजी जाएगी रिपोर्ट : डीआरओ

सरकार ने विभाग की रिपोर्ट पर 26 अगस्त को ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल खोलकर किसानों से पंजीकरण करने को कहा था। अब किसान 5 सितम्बर तक अपनी फसल खराबे का पंजीकरण ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल पर करवा सकते हैं। रविवार को जिले के कुलां, भूना, टोहाना, जाखल व रतिया में भारी बारिश हुई है। यहां 100 एमएम तक बारिश दर्ज की गई है। जिन गांवों में अत्याधिक जलभराव है या अधिक बारिश से नरमे की फसल खराब हो गई और धान की फसल खराबे की ओर जा रही है वहां विशेष सर्वे करवाया जा रहा है। अगर विभाग को लगा कि किसानों की फसल खराब हुई है तो इसकी रिपोर्ट सरकार को भेजी जाएगी ताकि ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल पर जिले के ओर गांवों को भी शामिल किया जा सके।

-शामलाल, जिला राजस्व अधिकारी फतेहाबाद

आरोपी की पहचान सलमान के रूप में हुई

मोबाइल शॉप चोरी कांड में आरोपी को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

मोबाइल शॉप चोरी के एक महत्वपूर्ण मामले में कार्यवाही करते हुए थाना सदर टोहाना प्रभारी उपनिरीक्षक शादी राम की देखरेख में गठित पुलिस टीम ने एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सलमान उर्फ सुलतान उर्फ कालिया पुत्र शमशेर उर्फ काला निवासी बाबा बूटा शाह बस्ती, टोहाना के रूप में हुई है। इस संबंध में शिकायतकर्ता साहित पुत्र सुरेन्द्र निवासी गांव समैण ने थाना सदर टोहाना में दी गई शिकायत में बताया था कि वह मैन बस स्टैंड, गांव समैण पर शिवा मोबाइल्स नामक मोबाइल शॉप चलाता है। 18 जनवरी को पड़ोसी की सूचना पर जब वह दुकान पर पहुंचा, तो पाया कि दुकान के ताले टूटे हुए थे और भीतर से कई कीमती सामान चोरी हो चुके थे। चोरी हुए सामान में 8 स्मार्टफोन, 7 की-पैड मोबाइल फोन, 20 पेन ड्राइव, 5 हेडफोन, 20 हजार 500 नकद राशि, मोटरसाइकिलों की आरसी और अन्य दस्तावेज शामिल थे।

शराब के लिए पैसे न देने पर पत्नी पर किया हमला

फतेहाबाद। महिला सुरक्षा व घरेलू हिंसा के मामलों में की जा रही सख्त कार्रवाई के तहत थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने दरियापुर निवासी एक व्यक्ति को अपनी पत्नी पर जानलेवा हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि पुलिस ने आरोपी बिरजू पुत्र बिल्लू राम, निवासी गांव दरियापुर को काबू किया है। आरोपी के विरुद्ध उसकी पत्नी रेखा ने गंभीर आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, 15 अगस्त की रात लगभग 8:40 बजे वह अपने घर पर खाना बना रही थी, तभी उसके पति ने शराब पीने के लिए पैसे मांगे। इंकार करने पर आरोपी ने लकड़ी के बिंडे से कई वार किए।

बरसात से छत गिरने से एक की मौत

- मजदूरी करता था पप्पू राम, मौत के बाद परिवार पर आर्थिक संकट

हरिभूमि न्यूज ⏭ओढां

क्षेत्र में हो रही लगातार बरसात से मकानों के गिरने का खतरा बढ़ता जा रहा है। रविवार को अलसुबह गांव खुईयांनेपालपुर में एक मकान की छत गिरने से मलबे के नीचे दबने से एक व्यक्ति से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार शनिवार की रात्रि पप्पू राम का परिवार 2 कमरों में सोया हुआ था। रातभर हो रही बरसात के चलते रविवार अलसुबह पप्पू राम के कमरे की छत अचानक भरभराकर गिर गई। लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद मलबे के नीचे दबे पप्पू राम को बाहर निकाला।

सिरसा। खुईयांनेपालपुर में बरसात में गिरी छत का मलबा। *फोटो: हरिभूमि*

सूचना के बाद ओढ़ा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम हेतु सिरसा भिजवाते हुए परिजनों से घटना की जानकारी ली। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने बताया कि पप्पू राम के पास 3 कमरे हैं जिनमें से एक कमरा करीब 15 वर्ष पूर्व विभागीय योजना के तहत बना था तो वहीं एक कमरा जर्जर अवस्था में है और दूसरा कच्चा है। ग्रामीणों ने कहा कि पप्पू राम की मौत के बाद उसके घर में आर्थिक संकट छा गया है।

स्वच्छता बैनर के सामने गंदगी के ढेर

हरिभूमि न्यूज ⏭टोहाना

जिले में नगर परिषद द्वारा शहरी स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत जिला नगर आयुक्त संजय बिश्नोई भी निरीक्षण कर निर्देश देकर चुके है। नगर परिषद द्वारा शहर के विभिन्न इलाकों में जागरूक करने के लिए बैनर लगाए है लेकिन शहर के रामनगर इलाके में नगर परिषद के उक्त बोर्ड के सामने गंदगी के ढेर लगे हुए है, जो इस अभियान की सच्चाई को दर्शा रहे है। वार्ड के लोगों ने वीडियों बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करते हुए नगर परिषद के अभियान का मजाक उड़ाया है। वार्ड में रहने वाले प्रदीप धीमान ने कहा कि नगर परिषद द्वारा शहर को स्वच्छ बनाने के लिए सीएम नायब सैनी के आदेशानुसार शहरी स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत शहर में अनेक जगहों पर बैनर भी लगा दिए है लेकिन उनके वार्ड में नगर परिषद के बोर्ड के सामने गंदगी के ढेर लगे हुए है। उन्होंने कहा कि गंदगी के ढेर से आमजन को गुजरना पड़ता है जिससे बीमारियों के फैलने का भय बना हुआ है।

- लोगों ने वीडियों बनाकर सोशल मीडिया पर किया वायरल

टोहाना। बोर्ड के सामने लगे गंदगी के ढेर। *फोटो: हरिभूमि*

नशा मुक्ति : 8 ड्रग पीड़ितों की हुई काउंसलिंग

- फतेहाबाद पुलिस की नशा मुक्ति टीम ने नहला व बैजलपुर में लोगों को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के मार्गदर्शन और एसआई सुंदर के नेतृत्व में जिला पुलिस की नशा मुक्ति टीम लगातार गांव-गांव जाकर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक कर रही है। इसी कड़ी में नशा मुक्ति टीम ने आज गांव नहला और गांव बैजलपुर का दौरा किया। गांव नहला में कार्यक्रम के दौरान नशा मुक्ति टीम ने ग्रामीणों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान के बारे में विस्तार से बताया। टीम ने युवाओं को जागरूक करते हुए कहा कि नशा न केवल स्वास्थ्य को बर्बाद करता है बल्कि परिवारिक संबंधों और भविष्य को भी खतरे में डाल देता है। इस दौरान गांव नहला में 5 नशा पीड़ित व्यक्तियों की पहचान की गई, जिन्हें टीम द्वारा काउंसलिंग दी गई।

फतेहाबाद। ग्रामीणों को नशे के खिलाफ जागरूक करते एसआई सुंदर मुसाफिर।

लोगों को दी जानकारी

टीम ने दोनों गांवों में उपस्थित लोगों को यह भी बताया कि नशा मुक्ति हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करके कोई भी व्यक्ति गोपनीय रूप से जानकारी साझा कर सकता है। पुलिस प्रशासन का उद्देश्य है कि जिला फतेहाबाद को नशा मुक्त बनाया जाए और हर परिवार को स्वस्थ, सुरक्षित एवं खुशहाल जीवन प्रदान किया जा सके। नशा मुक्ति टीम की इस कार्यवाही की ग्रामीणों ने सराहना की और पुलिस का धन्यवाद किया।

अवैध पिस्तौल मामले में दूसरा आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। थाना शहर टोहाना पुलिस ने अवैध शस्त्र अधिनियम के तहत दर्ज मामले में दूसरे आरोपी रणदीप उर्फ नन्हा पुत्र कृष्ण निवासी कालवन, जिला जींद को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इससे पहले इसी मामले में एक अन्य आरोपी रोहताश उर्फ गोलू पुत्र सुभाष निवासी तहसील नरवाना, जिला जींद को गिरफ्तार किया जा चुका है। थाना शहर टोहाना में 30 जून को शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था।

शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में जुटी नगर परिषद की टीमें

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान 2025 के तहत जिला के शहरी क्षेत्रों को स्वच्छ और सुंदर बनाने में नगर परिषद और नगरपालिका की टीमें जुट गई है। कहीं व्यापक स्तर पर सफाई अभियान चलाया जा रहा है तो कहीं पर आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। सड़क से लेकर बाजारों तक, पार्कों से लेकर सार्वजनिक स्थानों पर साफ सफाई और पौधारोपण किया जा रहा है। अतिरिक्त उपायुक्त वीरेंद्र सहरावत भी शहर की सफाई व्यवस्था को जांचने और टीम का हौसला बढ़ाने के लिए फील्ड में उतर चुके हैं।

- निरीक्षण करने एडीसी स्वयं फील्ड में उतरे

सिरसा। शहर में सफाई करते कर्मचारी।

खाली स्थलों से कूड़ा किया एकत्रित

एडीसी ने बताया कि नगर परिषद की टीमों द्वारा विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा हैं। इस अभियान का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों को स्वच्छ, सुंदर और प्रदूषण मुक्त बनाना है। सफाई कर्मियों ने सुबह से ही सड़कों, गलियों और खाली स्थलों से कूड़ा-कचरा एकत्रित किया। इस दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने दुकानदारों व स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उन्हें साफ-सफाई बनाए रखने की अपील की। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि स्वच्छता केवल सफाईकर्मियों के प्रयासों से संभव नहीं है, इसके लिए आमजन की भागीदारी बेहद जरूरी है।

समस्याओं का हल नहीं होने पर प्रशासन को दी संघर्ष की चेतावनी

सिरसा। शहर के वार्ड नंबर 10 के भाई चारा गुरुप के सदस्य और वार्ड के वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं ने वार्ड में चल रही अनेक समस्याओं को लेकर बैठक की। बैठक में काफी समय से बार-बार उठाई जा रही मांगों जैसे कि वार्ड में केवी-2 से लेकर ऑटो मार्केट टी प्वाइंट तक थोड़ी सी बरसात में पानी 10 से 15 दिनों तक जमा रहना, सारे वार्ड के सीवरेज बिना बारिश के भी ओवरफ्लो रहने और सीवरेज का पानी गलियों में भरा रहने, पीने के पानी में सीवर का पानी मिक्स होकर आना, बार-बार शिकायत करने पर सफाई ना होना बार-बार नगर परिषद् में आवारा जानवरों की कालोनियों में भरमार और आवारा कुत्तों के काटने के बारे में चौधरी देवीलाल चिल्ड्रन पार्क में पिछले 2 महीनों से लाइटें न जलने की शिकायत आदि पर विचार किया।ञ

आत्माराम न पूरे समाज के लिए आत्मसम्मान और मेहनत का प्रतीक

नेत्रहीन आत्माराम: मेहनत और आत्मनिर्भरता की मिसाल

दलबीर सिंह ⏭भूना

कहते हैं, अगर इरादे बुलंद हों तो कोई भी कमी रास्ता नहीं रोक सकती। भूना की शास्त्री मंडी में रहने वाले आत्माराम सोनी इसका जीता-जागता उदाहरण हैं। आंखों की रोशनी भले ही बचपन में खो दी, लेकिन आत्मबल और मेहनत की रोशनी से उन्होंने अपने जीवन को नई दिशा दी। साल 1957 में भूना के नाढोड़ी गांव में जन्मे आत्माराम का जीवन 6 साल की उम्र में ही बदल गया। चेचक की बीमारी ने उनकी आंखों की रोशनी छीन ली। परिवार में तीसरे नंबर के आत्माराम के पिता राजाराम सोनी ने इलाज के लिए बड़े से बड़े अस्पताल के चक्कर लगाए, लेकिन कहीं से राहत नहीं मिली।

आत्मबल और मेहनत की रोशनी से जीवन को दी दीशा

भूना। नेत्रहीन आत्माराम अपनी चक्की से आटा पीसते हुए व नेत्रहीन आत्माराम सोनी अपनी भांजी के हाथों में रखे हुए नोटों की पहचान बताते हुए।

बिजली के हीटर से शुरू किया व्यापार

साल 1978 में आत्माराम का परिवार भूना की शास्त्री मंडी में आकर बस गया। इसके कुछ वर्षों बाद, 1984 में आत्माराम ने बिजली के हीटर बनाने का लघु उद्योग शुरू किया। शक्ति हीटर ब्रांड से उन्होंने हरियाणा के अलावा पंजाब के अमृतसर और लुधियाना तक अपने प्रोडक्ट की डिमांड बना ली। दुकानदार थोक में उनके बनाए हीटर लेकर जाते थे। लेकिन यह हीटर बनाने का कार्य आत्माराम सोनी ने किसी के पास जाकर सिखा नही था, बल्कि अपने दिमाग से शुरू किया था, इसलिए ब्रांड का नाम शक्ति रखा। जैसे ही घर-घर स्मार्ट बिजली के मीटर लगने शुरू हुए, वैसे हीटर का काम धीमा पड़ गया। व्यापार बंद होने के बाद भी आत्माराम ने हार नहीं मानी।

नेत्रहीनों के लिए प्रेरणा स्रोत

आत्माराम आज उन सभी नेत्रहीन लोगों के लिए प्रेरणा हैं, जो किसी मजबूरी के कारण खुद को कमजोर मान बैठते हैं। उन्होंने साबित कर दिखाया है कि अगर जज्बा हो तो अंधकार में भी उजाले का रास्ता मिल जाता है। उनकी कहानी हर उस व्यक्ति के लिए सबक है जो कठिनाई आने पर घबरा जाता है। आत्माराम न केवल नेत्रहीनों के लिए, बल्कि पूरे समाज के लिए आत्मसम्मान, आत्मनिर्भरता और मेहनत का प्रतीक हैं।

पूरी तरह आत्मनिर्भर जीवन जी रहे

आज जब सडक़ों पर कई लोग, जो पूरी तरह स्वस्थ हैं, मेहनत की जगह भीख मांगते नजर आते हैं, ऐसे में आत्माराम जैसे लोग समाज को आईना दिखाते हैं। उन्होंने कभी किसी पर बोझ नहीं बनना चाहा। मां-बाप और भाइयों के होते हुए भी उन्होंने अपने लिए खुद रास्ता बनाया। उनकी मेहनत और लगन का ही नतीजा है कि आज शास्त्री अनाज मंडी के मुख्य सडक़ पर करीब 7 मरले की जमीन में उन्होंने खुद का पक्का मकान और दो दुकानें बना ली हैं। वह अपने पैरों पर खड़े हैं और पूरी तरह आत्मनिर्भर जीवन जी रहे हैं।

हुनर से बनाई अलग पहचान

नेत्रहीन आत्माराम कुर्सी और चारपाई की बुनाई व डिजाइनिंग में माहिर हैं। उनकी उंगलियों का हुनर देखने लायक होता है। एक रुपये से लेकर 2 हजार तक का नोट वो सिर्फ छूकर पहचान लेते हैं। मोबाइल नंबर याद रखकर खुद डायल करना, खरीदारी करना, यहां तक कि अकेले दूसरे शहरों की यात्रा करना भी उनके लिए आम बात है। वे आज भी आटा चक्की के काम में 10 से 12 हजार रुपए तक महीने की आमदनी कर लेते हैं। अपनी विधवा बहन सरला सोनी के लिए वह पिता के समान मददगार हैं।

वह मन ही मन पछताने लगा, 'काश उसने मास्टर प्रीतम पाल की डांट और मार खा ली होती, तो वे उसे इतना योग्य ज़रूर बना देते कि उसे गणित को लेकर जीवन में मार नहीं खानी पड़ती।' अपने गणित अध्यापक के खिलाफ किए गए षड्यंत्र को याद कर उसकी आंखें भर आईं। उसे लगा कि यह उन्हीं का श्राप है, जिसने आज उन्हें इस चौराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है। उसका मन हुआ कि वह अपने गुरु प्रीतम पाल के पास जाकर उनके पैरों में गिर जाए और माफ़ी मांगे।

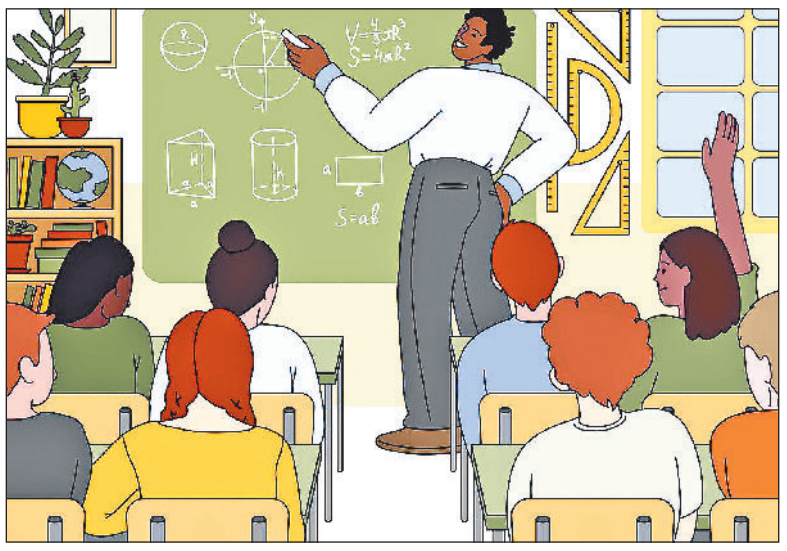

कहानी

मधुकांत

बहुत याद आए मास्टर प्रीतम पाल

अचानक रंजन को प्रिंसिपल के कमरे में बुलाया गया। वहां अपने चाचा को बैठा देख वह चौंक गया। किसी ने कुछ नहीं बताया, बस चाचा उसे अपने साथ घर ले आए। वह हैरान-परेशान था कि कोई उसे कुछ बता क्यों नहीं रहा। घर पहुंचने पर उसे पता चला कि उसके पिता गुलाब राय का हार्ट अटैक से निधन हो गया है। एक पल में सब कुछ बिखर गया। मां उससे लिपटकर रोने लगीं। अब शोरूम कैसे चलेगा? यह सवाल सामने था।

रंजन का स्कूल जाना मुमकिन नहीं था, इसलिए उसने पढ़ाई छोड़कर दुकान पर जाना शुरू कर दिया। वह मुनीम जी और कारीगर के साथ मिलकर काम करने लगा, पर गणित में कमजोर होने के कारण वह हिसाब-किताब नहीं समझ पाता था। मुनीम बहुत चालाक था। वह रंजन के सभी काम करता और धीरे-धीरे उसे शराब पीने की आदत भी डाल दी। गांव के लोग पापा पर बहुत भरोसा करते थे। वे अपनी फसल बेचकर सारी रकम उनके पास जमा कर जाते, ताकि शादी-ब्याह में गहने और कपड़े आसानी से खरीद सकें। रंजन ने इस बात पर कभी ध्यान नहीं दिया और न ही मुनीम ने उसे समझने दिया। वह आधी-अधूरी बैलेंस शीट देखकर खुश हो जाता, क्योंकि देनदारी वाला पक्ष उसे कभी दिखाया ही नहीं गया था। गणित से पैदाइशी नफरत होने के कारण वह कभी हिसाब देखता ही नहीं था, जो मुनीम बताता, वही सच मान लेता। शोरूम बनाते समय पापा ने बैंक से 50 लाख का लोन लिया था। पापा के जाने के बाद उसकी कोई किस्त जमा नहीं हुई। जब बैंक का कोर्ट नोटिस आया, तो घर में हड़कंप मच गया। दुकान में माल कम था, बाज़ार की देनदारी अलग और ऊपर से बैंक का नोटिस। रंजन पूरी रात मां के साथ चिंता में डूबा रहा। मुनीम और कारीगर भी कई दिनों से दुकान पर नहीं आ रहे थे। उसे पछतावा हुआ, 'काश उसने शुरू से हिसाब देखना शुरू कर दिया होता।' लेकिन देखता कैसे, उसे तो हिसाब का 'जमा घटा' भी नहीं आता था।

वह मन ही मन पछताने लगा, 'काश उसने मास्टर प्रीतम पाल जी की डांट और मार खा ली होती, तो वे उसे इतना योग्य ज़रूर बना देते कि उसे गणित को लेकर जीवन में मार नहीं खानी पड़ती।' अपने गणित अध्यापक के खिलाफ किए गए षड्यंत्र को याद कर उसकी आंखें भर आईं। उसे लगा कि यह उन्हीं का श्राप है, जिसने आज उन्हें इस चौराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है। उसका मन हुआ कि वह अपने गुरु प्रीतम पाल के पास जाकर उनके पैरों में गिर जाए और माफ़ी मांगे। पूरी रात वह रोता हुआ पश्चाताप की आग में जलता रहा। उसे अच्छी तरह याद है, जब उसके पापा गांव से शहर में आकर कारोबार बढ़ाने लगे थे। पापा की गांव में बहुत इज्जत थी। वे गहने बनवाने के लिए शहर के अपने भरोसेमंद कारीगर राजू के पास जाते थे। राजू एक बंगाली कारीगर था। दोनों साथ बैठकर बातें करते, खाना खाते और सुख-दुःख बांटते। गांव जाने के झंझट से बचने के लिए रिश्तेदारों ने भी पापा से राजू की दुकान पर मिलना शुरू कर दिया। पापा ने सोने-चांदी के छोटे आइटम वहीं रखने शुरू कर दिए, और उनकी बिक्री भी वहीं होने लगी। एक दिन दोनों ने साझेदारी में काम करने का फैसला किया। पापा का पैसा और इज्जत, और राजू की कारीगरी मिलकर काम चल निकला। धीरे-धीरे वह राजू की दुकान नहीं, बल्कि गुलाब राय सराफ की दुकान बन गई। काम इतना बढ़ गया कि पापा कई-कई दिन गांव में नहीं जा पाते। यह देखते हुए उन्होंने शहर में किराए का मकान ले लिया और रंजन का दाखिला भी शहर के स्कूल में करवा दिया। कुछ समय बाद पापा ने गांव की ज़मीन बेचकर शहर में एक मकान खरीद लिया। पापा के साथ काम करने वाले राजू कारीगर को शराब की लत थी, और वह अपनी कमाई इसी में बर्बाद कर देता था। पापा के समझाने पर भी वह नहीं मानता था। धीरे-धीरे दोनों के बीच छोटी-छोटी बातों पर मतभेद होने लगे। खरीदे हुए मकान को तोड़कर पापा ने उसका नया निर्माण करवाया। पहली मंजिल में शोरूम और दूसरी मंजिल में रहने के लिए घर बनाया गया।

हमारी छोटी सी दुकान अब गुलाब राय एंड संस के शोरूम में बदल गई। राजू कारीगर अपनी पुरानी दुकान पर ही काम करने लगा। उन्हीं दिनों रंजन दसवीं कक्षा में पढ़ता था। वह पढ़ाई में बहुत कमजोर था। बाकी विषयों में तो काम चल जाता, पर गणित की घंटी आते ही उसका सिर दर्द होने लगता। गणित के अध्यापक थे प्रीतम पाल। वे अपने विषय के प्रति समर्पित थे। उनकी कक्षा में कोई छात्र अनुपस्थित नहीं होता था। वे कमजोर छात्रों पर विशेष ध्यान देते थे। वे ज्यादा सज़ा नहीं देते थे, फिर भी हर छात्र उनसे डरता था। इसलिए छात्रों ने उनका नाम मास्टर पीटर पाल रख दिया था। प्रीतम पाल रोज़ होमवर्क चेक करते। जो छात्र एक दिन काम नहीं कर पाता, उसे अगले दिन दो दिन का काम करना पड़ता।

कई बार छात्र दूसरे विषयों की घंटियों में भी उनका होमवर्क करते रहते थे। वे घर पर ट्यूशन नहीं पढ़ाते थे। परीक्षा के पास स्कूल में ही बिना फीस के एक्स्ट्रा क्लास लगाते इसलिए सभी अभिभावक उनका बहुत आदर करते थे। मास्टर पीटर पाल नकल के सख्त दुश्मन थे। जिस कमरे में उनकी ड्यूटी लगती, छात्र माथा पीट लेते। कोई भी छात्र नकल करते पकड़ा जाता, तो वे उसका उत्तर काट देते थे, साथ ही उसे भी सज़ा देते थे जिसने नकल करवाई। वे हर छात्र को जानते थे। किसी कमजोर छात्र के अधिक अंक आते तो वे उसे ब्लैकबोर्ड पर सवाल हल करने को कहते। यदि वह हल नहीं कर पाता, तो स्पष्ट हो जाता कि उसने नकल की है और वे उस उत्तर को काट देते थे। इसलिए घरेलू परीक्षाओं में उनके विषय का परिणाम बहुत कम आता, लेकिन बोर्ड परीक्षा में उनका परिणाम हमेशा सबसे अच्छा रहता था। रंजन रोज़ किसी न किसी बात पर उनकी पकड़ में आ जाता। या तो होमवर्क न करने पर, यदि वह किसी की कॉपी से होमवर्क टीप भी लेता, तो उसे ब्लैकबोर्ड पर सवाल हल करने को कहा जाता। परीक्षाओं में उसके कम अंक आते तो पापा प्यार से समझाते, 'देख बेटा रंजन, तू हमारा इकलौता लड़का है। अगर तू ठीक से पढ़-लिख नहीं पाएगा, तो इस व्यापार को कैसे संभालेगा?' रंजन कहता, 'आप चिंता न करें, समय आने पर मैं सब संभाल लूँगा। अभी तो मेरी खाने-पीने और खेलने की उम्र है।' पापा समझाते, 'समय का भरोसा नहीं, कब अचानक आ जाए और कब हाथ से निकल जाए। बेटे, एक बात अच्छी तरह समझ ले, जो बच्चा विद्यार्थी जीवन में कठोर परिश्रम कर लेता है, उसका भविष्य सुधर जाता है और जो मौज-मस्ती में रहता है, उसका भविष्य अंधकार में डूब जाता है।' ऐसे कठिन समय में माँ बीच में आकर उसका बचाव कर लेतीं, 'बच्चा है अभी। समय आने पर सब समझ जाएगा।' और वह हँसता-कूदता खेलने निकल जाता।

तीनों ने एक-दूसरे के साथ हाथ मिलाकर 'ऑपरेशन पीटर पाल' की योजना बनाई। प्रीतम पाल अपने अनुशासन और सख्ती के लिए जाने जाते थे। एक दिन जॉनी ने जानबूझकर होमवर्क नहीं किया। जब मास्टर पीटर पाल ने उसकी कमर पर हाथ से ज़ोर का थप्पड़ लगाया, तो वह बेहोश होकर बेंचों के बीच गिर गया। यह देखकर प्रीतम पाल भी घबरा गए। आसपास की कक्षाओं के अध्यापक भी वहां आ गए। जब अध्यापक विद्यार्थी को संभालने लगे, तो रंजन और सोनी ने बाहर आकर शोर मचा दिया।

पापा की बातें उन दिनों अच्छी नहीं लगती थीं। काश उसने उन दिनों पापा की बातों को समझ लिया होता। प्रीतम पाल रंजन के पापा को अच्छी तरह जानते थे, इसलिए भी वह उसका विशेष ध्यान रखते थे। वे कहते, 'अरे रंजन, तेरे पापा जी का इतना बड़ा व्यवसाय है। अगर तू गणित नहीं सीख पाया तो अपने कारोबार को कैसे संभालेगा?' अंदर ही अंदर रंजन बुदबुदाता, 'हिसाब तो हमारे मुनीम जी करते हैं। बाकी पैसों का लेन-देन तो मैं कर ही लूँगा', और मास्टर पीटर पाल से पीछा छूटने का इंतजार करता। समान स्वभाव वाले छात्रों में गहरी दोस्ती हो जाती है। रंजन, सोनी, और जॉनी एक ही थैली के चट्टे-बट्टे थे। गणित में तीनों का अंडा गोल था। तीनों रोज़ भगवान से दुआ करते, 'हे भगवान, मास्टर पीटर पाल को ज्वर चढ़ जाए, उनकी टांग टूट जाए या उनका तबादला हो जाए।' लेकिन भगवान ने उनकी प्रार्थना कभी नहीं सुनी।

"यार, कुछ न कुछ तो करना ही पड़ेगा," सोनी ने कहा।"बात तो ठीक है, रंजन। इस काम को तू ही कर सकता है।"

"सोनी, मैं नहीं कर सकता क्योंकि मास्टर जी मेरे पापा को अच्छी तरह जानते हैं।"

"तो जॉनी, तुम करो। बस एक बार बेहोश होकर कक्षा में गिर जाना। फिर सारे स्कूल में हंगामा हम कर देंगे।"

"ठीक है, मैं ही बकरा बनूँगा, पर कोई गड़बड़ हो तो तुम सब संभाल लेना।"

"तू चिंता मत कर," तीनों ने एक-दूसरे के साथ हाथ मिलाकर 'ऑपरेशन पीटर पाल' की योजना बनाई। प्रीतम पाल अपने अनुशासन और सख्ती के लिए जाने जाते थे। एक दिन जॉनी ने जानबूझकर होमवर्क नहीं किया। जब मास्टर पीटर पाल ने उसकी कमर पर हाथ से ज़ोर का थप्पड़ लगाया, तो वह बेहोश होकर बेंचों के बीच गिर गया। यह देखकर प्रीतम पाल भी घबरा गए। आसपास की कक्षाओं के अध्यापक भी वहां आ गए। जब अध्यापक विद्यार्थी को संभालने लगे, तो रंजन और सोनी ने बाहर आकर शोर मचा दिया, 'मास्टर प्रीतम पाल की पिटाई से जॉनी बेहोश हो गया!' स्कूल में अफरा-तफरी मच गई। प्रीतम पाल से ईर्ष्या करने वाले अध्यापक और उनसे सताए गए छात्रों ने मिलकर हंगामा कर दिया। कुछ अभिभावक भी स्कूल में घुस आए। प्रिंसिपल के हाथ से व्यवस्था बाहर हो गई, तो उन्होंने पुलिस को फोन कर दिया। पुलिस ने आकर मामला संभाला। जॉनी को अस्पताल भेजा गया और मास्टर प्रीतम पाल को पुलिस की गाड़ी में बिठाकर उनके घर भेज दिया गया।

शिक्षा विभाग में प्रीतम पाल की बड़ी इज्जत थी, इसलिए उन पर कोई खास कार्रवाई तो नहीं हुई, पर सज़ा के रूप में उनका तबादला कर दिया गया। सबसे ज़्यादा खुशी रंजन और उसके दोस्तों को हुई। उसी दिन से वह भूल गया कि उसे गणित की परीक्षा भी देनी है। आज जब सब कुछ बर्बाद हो गया, तब उसे गणित के महत्व का पता चला। अपनी गलतियों को याद करके वह फूट-फूट कर रोने लगा। माँ ने उसके आँसू पोंछे, तो वह फफक पड़ा, "माँ, हमने अपने गणित के अध्यापक प्रीतम पाल के साथ जो दुर्व्यवहार किया था, यह सब उसी का नतीजा है।"

"बेटे, जो समय हाथ से निकल गया, उस पर पछतावा करने से क्या फायदा? तेरे पापा भी तुझे मेहनत करने को कहते थे, तो मैं तुम्हारा गलत साथ देती थी। इसमें मेरा भी दोष है। खैर, बेटा, अब हम दोनों मिलकर मेहनत करेंगे और सब ठीक कर लेंगे।"अगले दिन माँ ने गुलाब राय के एक पुराने मित्र को बुलाया। उन्होंने दुकान के हिसाब की जाँच की और बताया, "भाभी, मुनीम और कारीगर ने मिलकर सब धोखा किया है। बेटे रंजन, फिलहाल मैं अपनी दुकान से एक कारीगर भेज देता हूँ। आखिर काम तो तुम्हें ही संभालना पड़ेगा। अभी तो मैं भी हर महीने आकर हिसाब चेक कर जाऊँगा।"

मां ने दुकान की इज्जत बचाने के लिए अपने सभी गहने निकाल कर दे दिए। दुकान की साख बच गई। रंजन ने एक पुराने ग्रुप फोटो से काटकर अपने गणित अध्यापक प्रीतम पाल का चित्र अपने पूजा घर में रख लिया और उसी दिन से दुकान का सारा हिसाब खुद करने लगा।

लघुकथा

डॉ. अंजना गर्ग

घर का भोज

घुमंतू आज फिर पुराने परिचय की गली में जा पहुँचा। सुमन की मुस्कुराहट अब भी वही थी, पर आँगन की रंगत और आत्मा जैसे फीकी पड़ गई थी।

'अरे घुमंतू भैया! आओ, देखो जरा आजकल की मेरी सफाई मुहिम कैसी चल रही है!'

सुमन ने जैसे स्वागत नहीं, एक समय के युगांत का मंजर दिखाया हो। बरामदे में ढेर सारी क्रॉकरी, चीनी मिट्टी के प्लेट, बेल्जियम के गिलास, तांबे की थालियाँ, चुपचाप अंतिम विदाई के इंतजार में थीं।

'इतना सब बाहर क्यों रख रखा है?'

घुमंतू ने पूछा तो सुमन की आवाज में एक थकी हुई मुस्कान तैर गई।

'अब किसके लिए रखूं? कौन आता है अब घर? जो भी आता है, होटल में ही ले जाते हैं। पहले लोग कहते थे – 'आपके घर जैसा खाना कहीं नहीं मिला', अब मेहमान के आते ही पूछते हैं – 'किस होटल में चलें?' अब घर का भोज बोझ लगता है।'

घुमंतू चुप रहा। भीतर जाकर देखा, पुराने भारी पतीले, देगचियाँ, पूड़ियों के लिए बड़ी कढ़ाही, यहाँ तक कि अचार डालने वाले मटके भी कोने में सिसक रहे थे।

'इनका क्या कर रही हो?'

'दे रही हूँ कामवालियों को। अब ना कोई कथा होती है, ना कीर्तन, ना तीज, ना त्योहार। न कोई बिरादरी का भोज, न रसोई की रौनक। अब हर उत्सव फार्महाउस में, हर रस्म होटल में।'

घुमंतू की आंखों के सामने एक दृश्य तैर गया- चूल्हे पर चढ़ी खीर, पिछवाड़े में सूखते पापड़, और गेट पर खड़ी अम्मा कहती,

'ठहरो बेटा, पहले कुछ खा लो।' अब कोई नहीं कहता।

कविता

मनोज कुमार वशिष्ठ

बचपन

कितना अबोध होता है बचपन
कोमल सा, निर्मल सा
बेरंग पावन जल सा
अबोध सा, अन्जान सा
बचपन होता है निश्छल सा
कितना अबोध होता है बचपन ?

कितना सुन्दर होता है बचपन
जैसे हो पुष्पों का उपवन
व्योमपुंज हो उठता कम्पित
जब करता है ये क्रन्दन
कितना अबोध होता है बचपन ?

बचपन में होती है कितनी मधुरता
जब सावन में वर्षा का पानी बरसता
मन कागज की नाव पर सवार
कल्पित संसार को करता पार
कितना अबोध होता है बचपन ?

कैसा अद्भुत होता है बचपन
ना कपट, ना उलझन
भ्रष्ट राजनीति के जग में नहीं
प्रकृति के साथ खेलता हुआ
कितना अबोध होता है बचपन ?

उर नर-निर्माता के सिंहासन पर
अगर उसकी जगह रमैश होता
इस जग में बच्चों की भांति
हर जन को अबोध बना देता
कितना अबोध होता है बचपन ?

कविता

राज ख्यालिया

भोलेनाथ शरण में आए

भोलेनाथ शरण में आए,
मन की पीड़ा हरने वाले।
त्रिपुरारी, नीलकंठ,भोले
तुम बिन कौन सहारे वाले॥

जटाजूट से बहती गंगा,
शशि मुकुट पर दीप जले।
त्रिनयन में तेज समाया,
हर अंधियारा क्षण में पले॥
स्मरण करूँ मैं नाम तुम्हारा,
हर साँस बने उजियारा॥

डमरू की वो धुन सुहानी,
बजती अंतरमन में मेरे।
भस्म रमाये तन पे जो,
वो सत्य बसे हैं हृदय में मेरे॥
नंदी की गूंज बुलाती,
भोले अब देर न कीजे॥

काल भी डरे जिनके आगे,
मृत्यु भी जिनसे घबराए।
विष पिया, सृष्टि को बचाया,
करुणा का अमृत लुटाए॥
तेरे चरणों में ही जीवन,
तुझ बिन सब शून्य हो जाये॥

भोलेनाथ शरण में आए,
मन की पीड़ा हरने वाले।
त्रिपुरारी, नीलकंठ भोले
तुम बिन कौन सहारे वाले॥

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

साहित्यकार राजपाल यादव का कहना है कि लेखकों को राष्ट्रवाद को मज़बूत करने, देश की अस्मिता व गौरव को क़ायम रखने के लिए निर्भीकतापूर्वक कलम चलानी होगी। इसके लिए आपसी ईर्ष्या, जातिवाद और भाई भतीजावाद को छोड़कर कंधे से कंधा मिलाकर देशहित में काम करने की आवश्यकता है। वहीं, युवा पीढ़ी को साहित्य के प्रति प्रेरित करके उन्हें अपनी संस्कृति से जुड़े रहने का संदेश देना होगा।

साक्षात्कार

ओ.पी. पाल

साहित्य सृजन से मातृ भाषा की सच्ची सेवा संभव : राजपाल यादव 'राज'

साहित्य के क्षेत्र में लेखन करने वाले साहित्यकार विभिन्न विधाओं में साहित्य संवर्धन करके समाज, संस्कृति और सभ्यता को जीवंत रखने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे ही रचनाकारों में एक हैं हरियाणा के राजपाल यादव, जिन्होंने सरकारी नौकरी के दौरान दूसरे प्रदेशों में रहते हुए भी अपनी काव्य साधना से देशभर में हरियाणा राज्य का नाम गौरवान्वित किया है। उन्होंने साहित्य साधना के दौरान हिंदी भाषा के प्रसार-प्रचार के लिए एक अनूठे हिंदी सेवा रचनाकार के रुप में पहचान बनाई है और सेवानिवृत्ति के बाद भी साहित्य सृजन में जुटे हुए हैं। हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में उन्होंने अपने साहित्यक सफर के बारे में कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिसमें साहित्य सृजन के माध्यम से मातृभाषा की सच्ची सेवा करना संभव है।

हरियाणा के वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार राजपाल यादव का जन्म 19 फरवरी 1960 को रेवाड़ी जिले के नाहड़ खण्ड क्षेत्र के गांव जुड्डी में एक किसान परिवार में प्रभाती देवी तथा पिता रिसाल सिंह के घर में हुआ। उनके परिवार में कोई साहित्यिक माहौल नहीं था और न ही परिवार में कोई साहित्यिक रुचि वाला सदस्य रहा, लेकिन उनके पिता गांव के सबसे शिक्षित पुरुषों में शामिल थे, जिनके गुण उनमें आना स्वाभाविक था। उनके पिता भारतीय सेना की एजुकेशन कोर में अधिकारी रहे। उनका बचपन गांव में ही बीता और प्रारंभिक शिक्षा गाँव में ही हुई और बाद में वह पिता की पोस्टिंग स्थल नसीराबाद, दिल्ली, झाँसी और जोधपुर भी रहे। इनकी स्कूली शिक्षा नसीराबाद व झाँसी में हुई, फिर उन्होंने उच्च शिक्षा महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से हासिल की। जबकि स्नातकोत्तर की डिग्री उदयपुर विश्वविद्यालय राजस्थान प्रथम श्रेणी में हासिल की और कॉलेज/ यूनिवर्सिटी में द्वितीय स्थान पर रहे। बकौल राजपाल यादव राज, उनके साहित्यिक सफ़र की शुरुआत कॉलेज के ज़माने में ही हो गई थी, जब उन्होंने दो कहानियाँ 'बड़ी बहू' और 'मंझली बहू' शीर्षक से लिखी, जो कॉलेज की वार्षिक पत्रिका में प्रकाशित हुई। इससे उनका लेखन के प्रति आत्मविश्वास बढ़ना स्वाभाविक था। सरकारी सेवा में आने के बाद उनके साहित्य सफर में नया मोड़ उस समय आया, जबकि कारगिल युद्ध के दौरान उनकी पोस्टिंग धनबाद (झारखंड) में थी। उन्होंने उस समय ओज की रचनाएँ लिखीं, जो स्थानीय समाचार पत्रों में प्रमुखता से छपती थीं। उसके बाद ही वर्ष 2001 में उनका प्रथम काव्य संग्रह 'आँच न आने देंगे' प्रकाशित हुआ। धनबाद में सरकारी महारत्न संस्थान कोल इंडिया लि. की अनुसंगी कंपनी भारत कोकिंग कोल लि. के महाप्रबंधक (कार्मिक एवं राजभाषा) के पद पर रहते हुए उन्होंने सरकारी विभागों व कंपनी की सरकारी पत्रिकाओं के संपादन का दायित्व निभाया तथा हिंदी सप्ताह व पखवाड़े से जुड़े कार्यक्रमों का जीवंत संयोजन किया। वहीं उन्होंने सैकड़ों सरकारी हिंदी कार्यशालाओं में व्याख्यान व प्रशिक्षण दिया है। वह कवि सम्मेलनों का संचालन व अध्यक्षता करते हुए अनेक साहित्यिक संस्थाओं से भी जुड़े हैं। वह गद्य और पद्य की सभी विधाओं में लेखन करते आ रहे हैं यानी गीत ग़ज़ल दोहे मुक्तक माहिया छंद हाइकु हास्य-व्यंग्य लघुकथा आदि विधाओं में साहित्य साधना करते आ रहे हैं। उनका वीर रस की रचनाओं पर अधिक फोकस रहता है। वहीं हरियाणवी भाषा में भी उन्होंने कई गीत, दोहे, मुक्तक आदि विधाओं में रचनाएं लिखी हैं और हरियाणा सरकार की साहित्यिक पत्रिका हरिगंधा में उनके दोहे और हरियाणवी रचनाएं प्रकाशित हुई हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने हिंदी सचिवालय मारीशस, आबू धाबी दुबई तथा यूएसए में कई बार काव्य पाठ किया और सम्मान हासिल किया। वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार राजपाल यादव 'राज' का आधुनिक युग में साहित्य के क्षेत्र में आ रही चुनौतियों को लेकर कहना है कि आज साहित्य दोराहे पर खड़ा है, जहाँ एक तरफ़ प्रिंट मीडिया, तो दूसरी ओर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया है। वहीं इस इंटरनेट व डिजिटल युग में पत्र-पत्रिकाओं को पढ़ने वाले पाठक कम हो रहे हैं, किंतु साहित्य आज भी सामाजिक जागरूकता पैदा करने कुरीतियां समाप्त करने और निरंकुश होती सत्ता को ललकारने, शोषक का विरोध करने और शोषित को सहारा देने का कार्य कर रहा है।

प्रकाशित पुस्तकें

वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार राजपाल यादव की प्रकाशित पुस्तकों में प्रमुख रुप से काव्य संग्रह-आँच न आने देंगे, आगत का स्वागत, कविताओं में कोल इंडिया और हम, एक और दस्तक, तथा अभी थका नहीं हूँ मैं शामिल हैं। इसके अलावा उनके 32 साझा काव्य संग्रह भी प्रकाशित हुए हैं। काव्य जगत की प्रथम कॉफ़ी टेबल बुक 'शब्दों के सारथी' एवं एक विश्व हाइकु कोश में भी उनकी सहभागिता रही। हरियाणा साहित्य अकादमी की पत्रिका हरिगंधा सहित अनेक पत्र-पत्रिकाओं में समय-समय पर रचनाएँ प्रकाशित हुई हैं।

राजपाल यादव 'राज'

पुरस्कार व सम्मान

राजपाल यादव को हिंदी साहित्य शिखर मानद उपाधि सम्मान, भारतेंदु राजभाषा साहित्य शिरोमणि सम्मान, हिंदी साहित्य भूषण सम्मान, राष्ट्र गौरव साहित्य सम्मान, एकलव्यम साहित्य सम्मान, शान-ए-अदब सम्मान, काव्य श्री सम्मान, हिमालयन रत्न सृजन सम्मान, राष्ट्रीय एकलव्यम गौरव सम्मान, हिमालयन भाषा सारथी सम्मान, वात्सल्य गौरव सम्मान, शब्द सारथी सम्मान, देवप्रभा साहित्य सम्मान, संत तुलसीदास साहित्य सम्मान, संत कबीर सम्मान, शंकर दयाल सिंह प्रतिभा सम्मान एवं साहित्य शिल्पी सम्मान से नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : राजपाल यादव 'राज'
जन्मतिथि : 19 फरवरी, 1960
जन्म स्थान : गांव जुड्डी, रेवाड़ी (हरियाणा)
शिक्षा: स्नाकतोत्तर, एलएलबी
संप्रति: लेखक, साहित्यकार, वरिष्ठ कवि एवं सेवानिवृत्त महाप्रबंधक (बीसीसीएल, धनबाद)

'छोटी सी दुनिया' का दायरा बहुत बड़ा

पुस्तक : छोटी सी दुनिया
लेखक : ज्ञान प्रकाश विवेक
मूल्य : 425/-रुपये
प्रकाशक : वाणी प्रकाशन, दिल्ली

पुस्तक समीक्षा

नवरत्न

कुछ किताबें महज़ किताबें ही नहीं होती, वो किताब लगती भर हैं, वो कुछ और होती हैं। जिंदगी या फिर जिंदगी से भी बड़ी..। ज्ञान प्रकाश विवेक के कहानी संग्रह 'छोटी सी दुनिया' में यूं तो बारह कहानियां हैं, लेकिन एक-एक कहानी इतने बड़े स्पेस में कही गई है कि कुछ भी कहते नहीं बनता। यूं कहें कि ये कहानियां बारह दुनियाएं हैं... एक-एक दुनिया.. एकदम जुदा... एक-एक दुनिया एकदम अलहदा। एक और खास बात कि कहानियों का वॉल्यूम बहुत ही डाउन है और बात का वॉल्यूम जितना ही कम होता है, बात उतनी ही गहरे तक जाती है। चीखती, दहाड़ती कहानियों पर तो खूब चीखा दहाड़ा जा सकता है लेकिन यहां तो गहरा मौन और सन्नाटा पसरा पड़ा है। ताज्जुब होता है कि भाषा में मौन को भी कहा जा सकता है। लंबे समय तक एकांत और चुप्पी से ही शायद यह कला विकसित होती होगी। असल में भाषा की भी अपनी सीमाएं हैं। जब बारीक कहना होता है तो शब्द हाथ खड़े कर देते हैं। फिर लेखक निजी अनुभव और प्रतीकों का इस्तेमाल करता है। कहानियों में जगह-जगह प्रतीकात्मकता बिखरी पड़ी है और यही प्रतीकात्मकता कहानियों की ताकत है। मानवीकरण की नाव में प्रतीकों के फूल... पाठक की अंतस चेतना को ऊपर ले आते हैं और वाचाल मन दुम दबाकर भाग जाता है। एक गहरे आत्मावलोकन से गुजर कर पाठक गहरे आत्मालोचन से गुजरता है और यही आत्म आलोचन उसकी आत्मा को संतुष्टि प्रदान करता है। 'खत' कहानी का एक वाकया देखें...

'याद'... जैसे जिंदगी के बंद कमरे में दर्द की अगरबत्ती जल रही हो। मैं बंद कमरे में हूं अकेला ..अकेला और चुप। मैं और मेरे साथ निहत्थी खामोशी। मैं और मेरे साथ मेरी उंगली पड़कर खड़ा मेरा साया, जो दिखाई नहीं देता लेकिन वह है जरूर... मैं उठकर खिड़की तक आया हूं। आसमान खाली है मेरी तरह। वक्त की खुदगर्ज चील उड़ कर जा रही है। उसकी चोंच में फड़फड़ाता लम्हा होगा! किसी जिंदा परिंदे जैसा। आसमान का चेहरा और मेरा चेहरा दोनों एक जैसे नजर आते हैं। शायद आसमान भी उदास है मेरी तरह। ऐसा लगता है वह अपनी किसी कहकशां को ढूंढ रहा है जैसे कि मैं। सुधि पाठकों से विनम्र निवेदन की कहानी पढ़ने में यदि मजा आता है तो ये कहानियां जरूर पढ़ें वरना चूक जाएंगे ....और ज्ञान प्रकाश विवेक के लिए तो दुआ ही कर सकते हैं कि ईश्वर उन्हें स्वस्थ रखें। वाणी प्रकाशन को ढेरों शुभकामनाएं एक बेहतरीन प्रकाशन के लिए ...।

खबर संक्षेप

अवैध शराब सहित आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। शहर रतिया पुलिस ने एक युवक को 10 लीटर अवैध शराब सहित गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी उपनिरीक्षक रणजीत सिंह ने गत रात्रि पुलिस टीम रत्ताखेड़ा क्षेत्र में गश्त पर थी। जब टीम रत्ताखेड़ा माईनर की पुलिया के पास पहुंची, तो एक युवक सफेद प्लास्टिक कैनी के साथ संदिग्ध अवस्था में बैठा दिखा। पुलिस टीम को देखकर युवक घबराकर तेजी से वहां से हटने लगा। संदेह होने पर उसे तुरंत रोका गया और पहचान पूछने पर उसका नाम बलजिन्द्र पुत्र रूप सिंह निवासी रत्ताखेड़ा सामने आया। पूछताछ के दौरान जब कैनी की तलाशी ली गई तो उसमें से 10 लीटर अवैध देशी शराब बरामद हुई।

मोटरसाइकिल चोरी का आरोपी गिरफ्तार

सिरसा। शहर थाना पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के आरोपी को गिरफ्तार किया है। शहर थाना प्रबंधक संदीप कुमार ने बताया कि अजय कुमार पुत्र सतीश कुमार निवासी रानियां गेट ने थाना शहर सिरसा में शिकायत दर्ज करवाई थी कि उसकी बाइक रात को घर के बाहर से अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ली गई, जिस पर मामला दर्ज किया गया और जांच घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए। फुटेज में एक युवक बाइक चोरी करता हुआ स्पष्ट दिखाई दिया। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान की गई।

मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग

ओढां। जिला के विभिन्न इलाकों में पिछले दिनों से हो रही बरसात अब आमजन के लिए आफत बन चुकी है। रूक-रूक हो रही बरसात से जीव-जंतु, पशु-पक्षी व फसलों के नुकसान के अलावा आमजन को भी परेशानी हो रही है। ओढ़ा क्षेत्र में बरसात के कारण गांव रोहिड़ांवाली में बीती रात को बलवंत सिंह श्योराण के घर की छत गिरने से उसकी बेटी सरला देवी की मृत्यु हो गई और उसकी पत्नी व दूसरी बेटी घायल हो गई।

श्री रामलीला कमेटी का 128वां भव्य ध्वजारोहण कल

हिसार। ऐतिहासिक रामलीला श्री रामलीला कमेटी कटला के तत्वावधान में 2 सितंबर को ध्वजारोहण होगा। कमेटी के प्रशासक एनके गोयल ने बताया कि 2 सितंबर को स्वामी कृष्णानंद जी महाराज (खरड़ वाले) के सानिध्य में कटला रामलीला मैदान में मारुति नन्दन श्री हनुमान जी का विधिवत ध्वजारोहण समारोह होगा। इससे पूर्व जय सियाराम मंदिर कटला रामलीला में श्री हनुमानजी की धर्म ध्वजा का प.राजेश शास्त्री के द्वारा पूजन होगा,इस अवसर पर डॉ सुरेंद्र गुप्ता (एमडी) मुख्य यजमान के तौर पर उपस्थित होंगे।

गुर्जर-अहीर धर्मशाला में मनाया राधाष्टमी उत्सव

हिसार। पड़ाव क्षेत्रवासियों द्वारा गुर्जर-अहीर धर्मशाला में आज 20 वां राधाष्टमी उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। प्रातः हवन के साथ उत्सव प्रारंभ हुआ। हवन के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। गुर्जर-अहीर धर्मशाला में 24 अगस्त से प्रारंभ हुआ राधा अष्टमी उत्सव 31 अगस्त तक चला।

ट्रक चालक से लूटपाट करने पर चार गिरफ्तार

नारनौंद। सोरखी पुलिस चौकी ने ट्रक चालक के साथ मारपीट कर रुपए से लूटने के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान ढंढेरी निवासी कपिल तथा मुंढाल खुर्द निवासी अक्षय व जय विश्वास तथा सोरखी निवासी आदर्श के रूप में हुई है। जांच अधिकारी एएसआई नरेश कुमार ने बताया कि पकड़े गए आरोपितों ने 24 अगस्त की रात को बांडा हेड़ी गांव के शराब ठेके के समीप ट्रक चालक भवानी के साथ मारपीट कर उससे से 5 हजार रुपए लूट लिए थे। सोरखी चौकी पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

खेल युक्त-नशा मुक्त थीम पर निकाली साइकिल यात्रा

मेजर ध्यानचंद के जीवन से प्रेरणा लें खिलाड़ी: एडीसी

उपस्थित सभी लोगों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई

- खेलो इंडिया के गोल्ड मेडलिस्ट हर्षित को भी सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

सिरसा। साइक्लोथॉन यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए एडीसी।

हॉकी के जादूगर के नाम से विख्यात मेजर ध्यानचंद की जयंती पर राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर खेल विभाग द्वारा तीन दिवसीय खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में रविवार को समापन अवसर पर शहीद भगत सिंह स्टेडियम में खेल युक्त-नशा मुक्त हरियाणा थीम पर साइक्लोथॉन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एडीसी वीरेंद्र सहरावत ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की।

मुख्यातिथि ने साइक्लोथॉन यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिसमें स्कूली बच्चों व खिलाड़ियों ने भाग लिया। जिला खेल अधिकारी जगदीप सिंह ने मुख्यातिथि का स्वागत किया। इस अवसर पर जिला राजस्व अधिकारी संजय बिश्नोई भी उपस्थित रहे। एडीसी वीरेंद्र सहरावत ने कहा कि मेजर ध्यानचंद ने अपनी खेल प्रतिभा के बल पर इतनी उपलब्धियां प्राप्त की, जिसके कारण वे हॉकी के जादूगर के नाम से विख्यात हुए। जिस प्रकार विज्ञान जगत में वैज्ञानिक आइंस्टीन ने अपने प्रयोगों से पूरी दुनिया को अचंभित किया, उसी प्रकार मेजर ध्यानचंद ने अपनी खेल प्रतिभा से सबको चकित किया। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि हॉकी के जादूगर के रूप में विख्यात मेजर ध्यानचंद की जयंती पर तीन दिवसीय खेल दिवस का आयोजन करना एक सराहनीय कदम है। इस बार यह आयोजन खेल युक्त-नशा मुक्त हरियाणा थीम पर मनाया गया, जो युवाओं को नशा से दूर रहकर खेलों की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा देगा। उन्होंने कहा कि हर खिलाड़ी को मेजर ध्यानचंद के जीवन से प्रेरणा लेते हुए अपनी प्रतिभा को दिखाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि खेल का जीवन में बड़ा महत्व है। खेल व्यक्ति को जीवन में आगे बढने के लिए प्रेरित करता है। युवा हमारे देश का भविष्य है, इसलिए उन्हें व्याधियों से दूर रखते हुए सही दिशा में आगे बढ़ाना बहुत जरूरी हैं। उन्होंने खिलाडिय़ों से आह्वान करते हुए कहा कि वे लक्ष्य निर्धारित करते हुए जीवन में आगे बढ़ें। मुख्यातिथि ने खेलो इंडिया के गोल्ड मेडलिस्ट हर्षित को भी सम्मानित किया और उपस्थित सभी को मुक्ति की शपथ भी दिलाई। इस अवसर पर कोच शंकर सैनी, रणजीत सिंह, सुनील, अर्चना, प्रियंका, अनिल, खजान सिंह, लखविंद्र सिंह, रेशम सिंह, कर्ण सिंह, संदीप व हरविंद्र भी उपस्थित थे।

राजकीय महिला में साइकिल रैली का आयोजन

सिरसा। राजकीय महिला कॉलेज ने देशभर में चल रही संडे ऑन साइकिल्स पहल में सक्रिय भागीदारी की। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार और छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महाविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी प्रो. मोनिका गिल व कार्यक्रम के संयोजक एवं खेल विभाग के प्रभारी डॉ. प्रदीप कुमार ने साइकिल रैली का शुभारंभ कॉलेज प्रांगण से करते हुए शहरवासियों को फिटनेस, पर्यावरण संरक्षण और सतत जीवनशैली का संदेश दिया। इस पहल का उद्देश्य नागरिकों को हर रविवार साइकिल चलाने के लिए प्रेरित करना है ताकि स्वस्थ जीवन और स्वच्छ वातावरण को बढ़ावा मिल सके। कॉलेज प्राचार्य डॉ. सज्जन सेलवाल ने कहा कि साइकिलिंग केवल खेल नहीं बल्कि एक स्वस्थ और पर्यावरण-मित्र जीवनशैली है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि इस पहल को केवल एक दिन तक सीमित न रखें बल्कि इसे नियमित आदत बनाएं। इस प्रकार की गतिविधियां युवाओं को अनुशासन, ऊर्जा और समाज के प्रति जिम्मेदारी का संदेश देती हैं। कार्यक्रम का संचालन प्रो. डॉ. सतपाल बैनीवाल एवं प्रो. किरण बाला के मार्गदर्शन में हुआ। इस अवसर पर प्रो. कपिल सैनी, प्रो. निर्मला, प्रो. महोइना, प्रो. किरण बाला सहित कई प्राध्यापकों ने छात्राओं का मनोबल बढ़ाया और साइकिलिंग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने पर बल दिया।

फतेहाबाद। ग्रामीणों को संबोधित करती एडवोकेट कमलेश वशिष्ठ।

जागरुकता ही हक हासिल करने की पहली सीढ़ी : कमलेश

कार्यक्रम में मेहनतकश मजदूर तबके के बीच कानूनी एवं सामाजिक अधिकारों की जानकारी साझा की

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जारी नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फतेहाबाद की टीम गांव अयाल्की पहुंची। यहां पर आयोजित विशेष जागरूकता कार्यक्रम में मेहनतकश मजदूर तबके के बीच कानूनी एवं सामाजिक अधिकारों की जानकारी साझा की गई। साथ ही उन्हें केमिकल नशे से बचाव के बारे भी बताया गया।

कार्यक्रम में जिला बार एसोसिएशन की पूर्व सचिव एडवोकेट कमलेश वशिष्ठ ने उपस्थित लोगों को विस्तार से समझाया कि श्रमिक वर्ग के लिए भारतीय संविधान और श्रम कानून किस प्रकार सुरक्षा कवच का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही हक हासिल करने की पहली सीढ़ी है। यदि हर मजदूर अपने अधिकारों को जाने और समय पर न्यायिक संस्थानों से मदद ले, तो शोषण की कोई गुंजाइश नहीं रह सकती। जिन्दगी संस्था के अध्यक्ष हरदीप सिंह ने केमिकल नशे के युवाओं पर पडने वाले खतरनाक प्रभावों बारे जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नशा सिर्फ शरीर को खोखला नहीं करता, बल्कि परिवार और समाज की जड़ों को भी हिलाकर रख देता है। उपस्थित ग्रामीणों को प्रेरित करते हुए अपील की कि वे अपने बच्चों को नशे की गिरफ्त से बचाने के लिए जागरूक होकर आगे आएं। उन्होंने कहा कि समय रहते परिवार और समाज मिलकर कदम न उठाए, तो आने वाली पीढ़ी को इस दलदल से निकालना कठिन होगा। इस दौरान ग्रामीणों ने भी अपनी शंकाएं रखीं और समाधान प्राप्त किया।

सांसद सुभाष बराला ने कार्यकर्ताओं के साथ सुनीं प्रधानमंत्री के मन की बात

- टोहाना के गांव गाजूवाला के बूथ नंबर 229 पर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर सुनीं मन की बात
- बूथ-बूथ पर कार्यकर्ताओं का यह जुड़ाव ही भाजपा की असली शक्ति और संगठन की मजबूती : सांसद बराला

हरिभूमि न्यूज ⏭ टोहाना

टोहाना। कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात कार्यक्रम सुनते सांसद बराला।

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को विधानसभा टोहाना के गांव गाजूवाला के बूथ नंबर 229 पर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर सुना। इस अवसर पर स्थानीय ग्रामीण और पार्टी कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। सांसद बराला ने कहा कि प्रधानमंत्री के विचार हमेशा हम सभी कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा, सकारात्मक सोच और राष्ट्र निर्माण की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि गांव-गांव और बूथ-बूथ पर कार्यकर्ताओं का यह जुड़ाव ही भारतीय जनता पार्टी की असली शक्ति और संगठन की मजबूती है।

सांसद ने कार्यकर्ताओं को किया आह्वान

सांसद ने ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे प्रत्येक महीने के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को अवश्य सुने और अपने जीवन में आत्मसात करें। यह केवल संवाद का माध्यम नहीं है, बल्कि देश की सामूहिक भावना और प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों में काम कर रहे युवाओं, महिलाओं, खिलाडियों, किसानों, व्यापारियों और सैनिकों के जज्बे और उनके सम्मान का उल्लेख करते हैं। यह कार्यक्रम भारत की विविधता, सामाजिक मूल्यों और सामूहिक शक्ति का परिचायक है। सांसद बराला ने कहा कि मन की बात ने आज एक आंदोलन का रूप ले लिया है, जिसके माध्यम से प्रधानमंत्री सीधे जनता से जुड़ते हैं और लोगों के प्रयासों को राष्ट्रीय मंच पर स्थान देते हैं। यह कार्यक्रम हर नागरिक को समाज और देशहित में कार्य करने के लिए प्रेरित करता है।

सिरसा में मनाई महर्षि दधीचि जयंती

- महर्षि दधीचि महातपोबली और शिव भक्त ऋषि थे : प्रधान सुभाष दाधीच

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

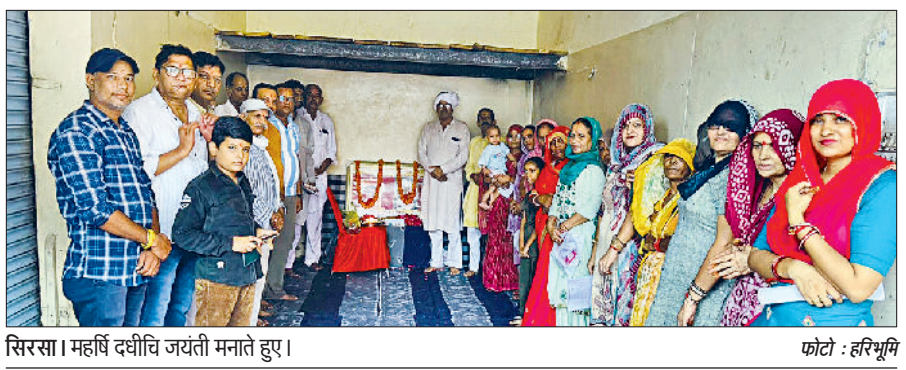

सिरसा। महर्षि दधीचि जयंती मनाते हुए। फोटो : हरिभूमि

महर्षि दधीचि महाराज की जयंती शहर के कंगनपुर रोड स्थित श्री गणेश टैंट हाउस पर धूमधाम से मनाई गई। प्रधान सुभाष दाधीच ने उपस्थित लोगों को महर्षि दधीचि के बारे में बताया कि महर्षि दधीचि महातपोबली और शिव भक्त ऋषि थे। भारतीय सनातन धर्म की पौराणिक कथाओं के अनुसार महान दानी महर्षि दधीचि की दानशीलता की कई कथा-कहानी प्रसिद्ध है। ऋषि दधीचि की कथा के अनुसार ब्रह्मदेव ने वृत्रासुर को मारने के लिए वज्र बनाने के लिए देवराज इंद्र को तपोबली महर्षि दधीचि के पास उनकी हड्डियां मांगने के लिए भेजा था। उन्होंने महर्षि से प्रार्थना करते हुए तीनों लोकों की भलाई के लिए उनकी हड्डियां दान में मांगी। महर्षि दधीचि ने संसार के कल्याण के लिए अपना शरीर दान कर दिया। महर्षि दधीचि की हड्डियों से वज्र बना और वृत्रासुर मारा गया। इस तरह एक महान ऋषि के अतुलनीय त्याग से देवराज इंद्र बचे और तीनों लोक सुखी हो गए। उन्होंने महर्षि दधीचि के त्याग, तपस्या और बलिदान को आज के समय में प्रासंगिक बताया। पूर्व प्रधान पटेल प्रधान ने कहा कि महर्षि दधीचि ने अपनी अस्थियों का दान देकर देवताओं को असुरों पर विजय दिलाई। यह त्याग मानवता को बताता है कि निःस्वार्थ बलिदान ही समाज को आगे बढ़ाता है। यह जयंती महर्षि दधीचि के लोकहित और परोपकार के कार्य की याद में मनाई जाती है, जिन्होंने देवलोक की रक्षा के लिए अपनी अस्थियों का दान कर दिया था। बनवारी लाल ने कहा कि हमारे लिए दधीचि प्रेरणा हैं कि व्यक्तिगत सुख से ऊपर समाज का हित होता है। आज की चुनौतियों में यह सोच बहुत जरूरी है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर ओमप्रकाश, सुनील कुमार, दीपक कुमार,पवन शर्मा, जयमोहन शर्मा, उमेद कुमार, राकेश शर्मा, सुरेंद्र शर्मा, मोहित, मनदीप शर्मा, कमल शर्मा, बाबूलाल शर्मा,मोनू शर्मा, नरेश कुमार, रघुवीर शर्मा, रामपाल, मुकेश कुमार, पुष्पा शर्मा, शकुंतला शर्मा, अंजू रानी, कविता रानी, शारदा रानी, सावित्री देवी, गीता, कौशल्या, टीना सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

बेटी के जन्म पर मनाया उत्सव

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

ग्राम पंचायत माधोसिंघाना में पुत्री के जन्म पर प्रवेश उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत पुत्री के जन्म पर विभिन्न प्रकार के आयोजन करवाई जा रहे हैं। दिनेश कुमार व पूनम रानी के घर में जुड़वा बेटियों का जन्म हुआ। हर्षिता व हिमांशी जिसका गृह प्रवेश बड़ी धूमधाम से साथ मनाया गया ग्रामीणों ने भी खुशी का माल था कार्यक्रम का आयोजन सुपरवाइजर कुसुम शर्मा के नेतृत्व में हुआ। उन्होंने बताया कि बेटों को जन्म पर तो सभी खुशी मनाते हैं, किंतु हमारा विभाग बेटियों के जन्म पर भी विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करवाता है। कार्यक्रम का उद्देश्य हरियाणा के लिंगानुपात के अंतर को काम करता करना तथा भारत के श्रेष्ठ राज्यों में लाना है। इस अवसर पर भ्रूण हत्या तथा बाल विवाह के बारे में भी जागरूक किया गया। बेटियों को उचित शिक्षा देकर आत्मनिर्भर बनाने पर भी जोर दिया गया।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में अमीलाल दादा, बुद्धि देवी दादी, सुखदेव, रमनदीप, ममता वर्मा एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुमन, राधा, बलवंती, कमलेश, पूनम, कमला, विमला तथा आशा वर्कर सुमन, सोमां, मैना मौजूद रहीं।

सिरसा। माधोसिंघाना में बेटी के जन्म पर प्रवेश उत्सव कार्यक्रम का आयोजन में भाग लेते महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

एससी आयोग के चेयरमैन बलियाला पहुंचे फूलकां

सिरसा। हरियाणा राज्य अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन डॉ. रविंद्र बलियाला एक कार्यक्रम दौरान अचानक गांव फूलकां पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति के हर पीड़ित व्यक्ति को निर्धारित समय सीमा के भीतर न्याय दिलाना आयोग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दौरान लोगों ने एससी समाज के जुड़े मुद्दों पर खुलकर चर्चा की। जानकारी अनुसार एससी आयोग के चेयरमैन रविंद्र बलियाला गांव फूलकां में ब्लॉक समिति सिरसा के पूर्व चेयरमैन के घर पहुंचे। इस अवसर पर चेयरमैन प्रतिनिधि रामनिवास राठी, विजय कुमार ने गुलदस्ता भेंटकर उनका स्वागत किया। एससी आयोग के चेयरमैन रविंद्र बलियाला ने कहा कि हरियाणा राज्य अनुसूचित जाति आयोग हर पीड़ित व्यक्ति को न्याय दिलाने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में डबल इंजन सरकार विकास के नए अध्याय लिख रही है।

सिरसा। कार्यक्रम में प्रस्तुति देती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

मम्मड़ खेड़ा में कल्चरल फेस्ट का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मम्मड़ खेड़ा के कांफ्रेंस हॉल में कल्चरल फेस्ट 2025 का आयोजन किया गया। इस कल्चरल फेस्ट के अंतर्गत एकल लोकगीत, सामूहिक लोकगीत एकल संगीत (रागनी) सामूहिक लघु नाटक इत्यादि इवेंट आयोजित किए गए। कार्यक्रम में सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने बढ़-चढक़र भाग लिया। संपूर्ण कार्यक्रम दो स्तरों -कक्षा पांचवीं से आठवीं व नौवीं से 12वीं पर आयोजित किया गया। विभिन्न इवेंट में विजेता रहे विद्यार्थियों को प्रधानाचार्य नीरज पाहुजा ने जीत की शुभकामनाएं देते हुए ब्लॉक व जिला स्तर पर विजेता होने की कामना की। इस मौके पर विनोद कुमार विकास, जयपाल इत्यादि अध्यापकगण मौजूद रहे।

प्रयास पुलिस लाइन के रिहायशी क्षेत्र में समस्याओं का हो रहा त्वरित समाधान

पुलिस लाइन के रिहायशी क्षेत्र में हुए अभूतपूर्व बदलाव, पुलिस कर्मियों का जीवन बना बेहतर

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

पुलिस विभाग का दायित्व केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि कर्मचारियों और उनके परिवारों की खुशहाली को भी सुनिश्चित करना है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के नेतृत्व में पुलिस लाइन के रिहायशी क्षेत्र में आरडब्ल्यूए यानि रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा किए गए प्रयासों से प्रशासनिक कार्यों के साथ-साथ सामाजिक, शैक्षिक और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव आए हैं। इन बदलावों ने न केवल पुलिसकर्मियों के जीवन को बेहतर बनाया है, बल्कि पूरे समुदाय में एक नई ऊर्जा और आशा का संचार किया है। आरडब्ल्यूए के तहत पुलिस लाइन के रिहायशी क्षेत्र में एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया है, जिसमें प्रत्येक क्वार्टर से एक सदस्य को जोड़ा गया है। पुलिस अधीक्षक द्वारा इसकी निगरानी की जाती है, जिससे पुलिसकर्मियों की समस्याओं का तत्काल समाधान किया जा रहा है। इस पहल से रिहायशी क्षेत्र में एक सकारात्मक माहौल बना है और समस्याओं का समाधान शीघ्रता से किया जा रहा है।

चिकित्सा सेवाओं में नवाचार

पुलिस अधीक्षक ने पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों की स्वास्थ्य देखभाल को प्राथमिकता दी है। उनके नेतृत्व में पुलिस लाइन में हर मंगलवार को सुप्रसिद्ध चिकित्सकों द्वारा मुफ्त नियमित स्वास्थ्य जांच और आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई जाती हैं। इस पहल से पुलिसकर्मियों को दूरदराज के अस्पतालों में जाने की आवश्यकता नहीं होती, और उनका स्वास्थ्य बेहतर बना है।

खेलकूद और शारीरिक समृद्धि

एसपी सिद्धांत जैन ने खेलकूद के क्षेत्र में भी कई सुधार किए हैं। पुलिस लाइन के खेल परिसर का रूप बदलने के साथ-साथ यहां फुटबॉल, क्रिकेट, बैडमिंटन के साथ-साथ आधुनिक फिटनेस सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। एसपी जैन समय-समय पर खेल के मैदान में निरीक्षण करते हैं और बच्चों को प्रोत्साहित करते हैं, जिससे शारीरिक स्वास्थ्य और सामूहिक समरसता में सुधार हुआ है। एसपी ने पुलिस लाइन में स्वच्छता और पर्यावरणीय जागरूकता को अपनी प्राथमिकता सूची में रखा है। पुलिस लाइन में ग्रीन स्पेस, कूड़ा प्रबंधन, जल संरक्षण और सार्वजनिक स्वच्छता सुनिश्चित की गई है। इसके अतिरिक्त, पर्यावरण संरक्षण के प्रति पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों को जागरूक किया गया है, जिससे पुलिस लाइन अब हरा-भरा और सुंदर बन चुकी है।

बच्चों की शिक्षा में बदलाव

एसपी सिद्धांत जैन का मानना है कि समाज के सशक्तिकरण में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। उनके नेतृत्व में पुलिस लाइन में बच्चों के लिए एक अत्याधुनिक लाइब्रेरी स्थापित की गई है, जहां डिजिटल शिक्षा के माध्यम से बच्चों को बेहतर अध्ययन वातावरण मिल रहा है। एसपी जैन समय-समय पर लाइब्रेरी का निरीक्षण करते हैं और बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करते हैं, जिससे बच्चों का आत्मविश्वास और उनके भविष्य के प्रति दृष्टिकोण में सुधार हुआ है।

पुलिसकर्मी और उनके परिवार खुशहाली का अनुभव कर रहे

एसपी ने पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान दिया है। तनाव प्रबंधन और जीवनशैली सुधार के लिए नियमित कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है, जो उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में स्थायी सुधार ला रही हैं। इन कार्यशालाओं से परिवारों में सामूहिक सद्भाव और समाज में सकारात्मक परिवर्तन का माहौल बना है। एसपी सिद्धांत जैन का नेतृत्व केवल प्रशासनिक पहलुओं तक सीमित नहीं है। उनके प्रयासों से पुलिस लाइन अब एक आदर्श स्थल बन गई है, जहां पुलिसकर्मी और उनके परिवार समृद्धि और खुशहाली का अनुभव कर रहे हैं। एसपी का यह प्रयास साबित करता है कि सशक्त और समर्पित नेतृत्व के तहत किसी भी क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव संभव है। उनके द्वारा किए गए प्रयासों से समाज के लिए एक उज्जवल भविष्य की दिशा में कदम बढ़ाए जा रहे हैं।

बरसात से जिले में हालत लगातार बिगड़ रहे। अब तक मानसून की यहां 500 एमएम से अधिक बारिश हो चुकी है। घग्घर को बढ़ता जलस्तर भी लोगों को डरा रहा।

टोहाना और भूना में भारी बारिश, घरों व दुकानों में घुसा पानी, लोगों को सुरक्षित स्थानों पर किया गया शिफ्ट

2022 का दृश्य याद कर कांपे भूनावासी, हर तरफ पानी ही पानी नजर आ रहा , बाढ़ से निपटने के लिए रणनीति बनाने में जुटे अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ टोहाना

रविवार सुबह जिले में भारी बरसात से हालात बिगड़ते नजर आए। यहां पर पिछले 24 घंटों में 145 एमएम तक बारिश रिकार्ड की गई। भूना में हालात बदतर नजर आए। यहां पर 2022 में आई भयंकर बारिश का दृश्य लोगों के जहन में घूम गया। ऐसे ही हालात टोहाना, जाखल और कुलां में नजर आए। टोहाना में बारिश से पूरा शहर 2023 में बाढ़ जैसा नजर आया। इस साल कुलां क्षेत्र में रिकार्ड बारिश दर्ज की गई है। रविवार को जाखल में 136 तो कुलां में 140 एमएम बरसात हुई। बता दें कि इस बार बारिश ने पिछले 12 सालों का रिकार्ड तोड़ दिया है। अब तक मानसून की यहां 500 एमएम से अधिक बारिश हो चुकी है।

मूसलाधार बारिश ने बदली शहर की तस्वीर

रविवार सुबह से शुरू हुई मूसलाधार बारिश ने भूना शहर की तस्वीर ही बदल दी। क्योंकि 100 एमएम तेज बारिश के कारण शहर की अधिकतर गलियां और मुख्य सडकें पानी से लबालब हो गई। खासकर हिसार रोड पर हालत यह रही कि सडक झील में तब्दील हो गई। दुकानों में दो से तीन फुट तक पानी भर गया, जिससे व्यापारियों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। वार्ड नंबर 11, नेहरू पार्क एरिया, रामलीला ग्राउंड के पीछे की रिहायशी कॉलोनियां, व अन्य निचले इलाकों में पानी घरों तक घुस गया। कई घरों में फर्नीचर और इलेक्ट्रॉनिक सामान पानी में डूब गया, जिससे लोग दिनभर परेशान रहे। बच्चों और बुजुर्गों को घरों से बाहर निकलना तक मुश्किल हो गया। जैसे ही जल भराव की सूचना प्रशासन को मिली, एसडीएम राजेश कुमार और डीएमसी संजय बिश्नोई मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने सबसे पहले हिसार रोड, वार्ड 11 और नेहरू पार्क क्षेत्र का निरीक्षण किया। जन स्वास्थ्य विभाग व नगर पालिका के अधिकारियों को तत्काल जल निकासी के विशेष प्रबंध करने के निर्देश दिए गए।

सुबह 6 बजे पानी घर के अंदर घुस आया

स्थानीय निवासी नरेंद्र सिंह, सुमित कुमार सुरेश कुमार ने बताया, सुबह 6 बजे पानी घर के अंदर घुस आया। पहले तो घबराहट हुई, लेकिन नगर पालिका की टीम जल्द पहुंच गई और राहत का काम शुरू कर दिया। अधिकारियों ने यह भी स्वीकार किया कि जल भराव की मुख्य वजह सीवरेज व्यवस्था की कमजोरी और नालियों की सफाई न होना है। डीएमसी संजय बिश्नोई ने कहा कि शहर की ड्रेनेज व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 292 रोड की लागत से मास्टर प्लान पर कार्य चल रहा है और आने वाले समय में इस तरह की समस्या से स्थायी समाधान मिलेगा। जनता को राहत देने के लिए नगर पालिका की ओर से विशेष हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया गया है, जिस पर जल भराव या अन्य समस्याओं की जानकारी दी जा सकती है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे धैर्य बनाए रखें।

डीएमसी और एसडीएम ने किया शहर का निरीक्षण आपदा प्रबंधन की तैयारियों का जायजा लिया

भूना। जिला नगर आयुक्त संजय बिश्नोई और एसडीएम राजेश कुमार ने रविवार को भूना शहर का निरीक्षण किया। उन्होंने भारी बरसात को देखते हुए नेहरू पार्क, सांचला रोड, हिसार रोड, एसटीपी पॉइंट, उकलाना रोड और मैन बाजार का जायजा लिया। नगर आयुक्त ने मौके पर आमजन से विचार-विमर्श किया और बताया कि इस समय शहर के विभिन्न स्थानों पर पानी की निकासी सही ढंग से की जा रही है। निरीक्षण के दौरान डीएमसी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट पर भी गए और लोगों से बातचीत की। उन्होंने नागरिकों को आश्वस्त किया कि किसी भी प्रकार की जल भराव की समस्या नहीं आने देंगे। इधर, एसडीएम रतिया, फतेहाबाद और टोहाना व डीएमसी टीमें भी अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार मौजूद रहकर जलभराव से निपटने के लिए हर संभव प्रबंध कर रही हैं।

3 तक बारिश की संभावना

चौधरी चरण सिंह हरियाणा विश्वविद्यालय,हिसार के मौसम विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ मदन खीचड़ बताया कि इस समय मानसून की ट्रफ उत्तर भारत की ओर बनी हई है, जिसके कारण हरियाणा और आसपास के क्षेत्रों में बारिश हो रही है। अगले तीन से चार दिनों तक प्रदेश में मानसून सक्रिय रहने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि मानसूनी बारिश 3 सितंबर तक जारी रह सकती है इसमें 1 सितंबर को अच्छी बारिश,

जबकि 2 और 3 सितंबर को हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना

एसडीएम ने जलभराव की स्थिति का लिया जायजा

टोहाना। एसडीएम आकाश शर्मा ने रविवार को टोहाना के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर बरसात से हुए जलभराव की स्थिति का जायजा लिया और आवश्यक प्रबंधों की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि आपसी तालमेल से प्रभावित क्षेत्रों से जलभराव की शीघ्र निकासी सुनिश्चित की जाए। निरिक्षण के दौरान एसडीएम आकाश शर्मा ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी, नगर परिषद, सिंचाई विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आपसी तालमेल से कार्य करें और सुनिश्चित करें कि अधिक वर्षा की स्थिति में पानी का निकास सुचारू रूप से होता रहे। जलनिकासी कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा अधिकारी स्वयं स्थल पर रहकर कार्यों की निगरानी करें।

जिले में पिछले 24 घंटे में हुई बरसात

फतेहाबाद	29 एमएम
रतिया	22 एमएम
टोहाना	145 एमएम
भूना	100 एमएम
भट्टू	10 एमएम
जाखल	136 एमएम
कुलां	140 एमएम

डीसी के घग्गर, रंगोई, जोया और हिसार-घग्गर ड्रेन के रिंग बांधों पर कड़ी निगरानी के निर्देश दिए

फतेहाबाद। उपायुक्त मनदीप कौर ने कहा है कि बारिश के अलर्ट के चलते जिला में सभी प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था को सुनिश्चित किया गया है। इसके लिए विभागों की टीम बनाई गई है जो अपने-अपने क्षेत्रों में काम कर रही है। अभी किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं है। उपायुक्त ने कहा कि घग्गर नदी में पानी अभी अपनी तय केपेसिटी से कम बह रहा है। घग्गर और आसपास रंगोई, जोया और हिसार-घग्गर ड्रेन के रिंग बांधों की जांच, निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारी लगातार निरीक्षण कर रहे हैं। डीसी ने बताया कि बारिश के दौरान शहरों के निचले इलाके में जलभराव की स्थिति बनी थी, जिसे विभागों ने गंभीरता से लिया और पानी निकासी समय अनुसार कर दी गई है। उपायुक्त ने बताया कि सभी अधिकारियों से कहा गया है कि वे अपनी-अपनी ड्यूटियों पर तैनात रहे। अधिकारियों व कर्मचारियों को छुट्टी की अनुमति नहीं दी जाएगी। उपायुक्त ने एसडीएम और जिला परिषद के सीईओ को यह भी निर्देश दिए है।

घग्गर के जलस्तर को लेकर प्रशासन अलर्ट, मिट्टी की बोरियां तैयार

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

सिरसा। घग्गर नदी के जलस्तर को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है और अधिकारी नदी पर लगातार गश्त करते हुए तटबंधों की निगरानी रख रहे हैं। इस कार्य में ग्रामीण भी पूरा सहयोग कर रहे हैं। एहतियात के तौर पर तटबंधों को जेसीबी, ट्रैक्टर-ट्राली आदि की सहायता से और अधिक मजबूत किया जा रहा है, वहीं मिट्टी के कट्टे भी भरवाए जा रहे हैं। प्राप्त रिपोर्ट अनुसार सरदूलगढ के पास 22 हजार 100 क्यूसिक तो ओटू वियर डाउन स्ट्रीम में 26 हजार क्यूसिक पानी चल रहा है। फिलहाल घग्गर में जलस्तर कम हुआ है, लेकिन प्रशासन कोई भी ढिलाई नहीं बरत रहा है, बल्कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पुख्ता प्रबंधों में जुटा है। ग्रामीण इस कार्य में पूरा सहयोग दे रहे हैं।

अतिरिक्त उपायुक्त वीरेंद्र सहरावत ने बताया कि प्रशासनिक अधिकारी लगातार स्थिति का जायजा ले रहे हैं। सिंचाई विभाग की टीमें दिन रात गश्त कर रही हैं। जिला में स्थिति सामान्य है और एहतियात के तौर पर तटबंधों को जरूरत अनुसार और अधिक मजबूत किया जा रहा है, ताकि दोबारा पानी बढने पर कोई दिक्कत न आए। ग्रामीणों से संवाद किया जा रहा है। नदी के अलावा ड्रेन आदि की भी निगरानी की जा रही है।उन्होंने अपील की कि नदी के आसपास स्थित गांवों के ग्रामीणों को तटबंध टूटने या पानी के रिसाव का खतरा हो तो संबंधित पटवारी, ग्राम सचिव, सिंचाई विभाग से संपर्क करें।

घग्घर के तटबंधों को मजबूत करते ग्रामीण।

अफवाहों पर ध्यान न दें

सिंचाई विभाग के एसडीओ रघुबीर शर्मा ने बताया कि विभाग की 24 टीमें गठित की गई है, जो लगातार घग्गर के जलस्तर और तटबंधों की निगरानी कर रही है। ग्रामीणों का भी पूरा सहयोग मिल रहा है। आमजन को घबराने की आवश्यकता नहीं है तथा स्थिति सामान्य है। घग्गर के जलस्तर पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। ग्रामीण अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी आपातकालीन स्थिति की सूचना तुरंत प्रशासन को दें।

भारी बरसात से पानी में डूबा चिंदड़, खेत, ढाणियों और गांव जाने वाले रास्तों पर भरा पानी

भट्टूकलां। पिछले कई दिनों से हो रही भारी बारिश के बाद भट्टू क्षेत्र के गांव चिंदड़ में खेतों में जलभराव से किसानों को काफी नुकसान हुआ है। खेतों और ढाणियों में पानी भरा पड़ा है वहीं रास्ते भी पानी में डूबने से आने-जाने के लिए भी ग्रामीणों को काफी परेशानियों से जूझना पड़ रहा है। किसान सभा ने मांग की है कि सरकार इस मामले में तुरंत संज्ञान ले और खेतों, ढाणियों व रास्तों से पानी निकासी के साथ-साथ किसानों को आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जाए। इस मामले को लेकर किसान 4 सितम्बर को डीसी से मिलने फतेहाबाद भी पहुंचेगे।यह बात अखिल भारतीय किसान सभा के जिला प्रधान विष्णुदत्त शर्मा ने गांव चिंदड़ में किसानों की सभा को संबोधित करते हुए कही। किसान नेताओं ने आज चिंदड़ के खेतों का निरीक्षण कर जलभराव में हुए नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने कहा गांव में बरसात के बाद सभी जगह जलभराव है और प्रशासन ग्रामीणों की कोई सुध नहीं ले रहा है। ग्रामीणों को उनके रहमो-कर्म पर छोड़ दिया गया है। किसान नेता ने कहा कि चिंदड़ के किसान पिछले 15 सालों से सेम समस्या की मार झेल रहे हैं। यहां के किसानों को राहत के नाम पर एक पैसा भी नहीं मिला है। पानी निकासी के लिए सौर ऊर्जा पम्प लगाने और पाइप लाइन डालने पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए लेकिन इसमें भी भ्रष्टाचार की बू आ रही है। प्रशासन से इस प्रोजेक्ट की उच्च स्तरीय जांच करने और भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई की मांग की। उन्होंने फसल बीमा कम्पनियों की लूट को बंद करने, क्षतिपूर्ति पोर्टल को रजिस्ट्रेशन करवाने, कम्पनी सर्वेयर के साथ किसान और कृषि अधिकारी की मौजूदगी में सही खराबा दर्ज करने और 40 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा देने की मांग की।

भट्टूकलां। गांव चिंदड़ में आयोजित बैठक में भाग लेते किसान। फोटो : हरिभूमि

विभाग को दी सेवाओं को याद किया

दो पुलिस अधिकारियों को सेवानिवृत्ति पर दी विदाई, शॉल व पगड़ी की भेंट

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

फतेहाबाद पुलिस विभाग द्वारा रविवार को पुलिस लाइन परिसर में विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें दो वरिष्ठ और समर्पित पुलिस अधिकारियों को सेवानिवृत्ति के अवसर पर ससम्मान विदाई दी गई। सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों में उपनिरीक्षक अनूप सिंह ने वर्षों तक अनुशासन, ईमानदारी और सेवा भावना की मिसाल पेश की। इसके अलावा उपनिरीक्षक गुरजीत सिंह, जिन्होंने बर्षों तक अपनी कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण के साथ विभाग को उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान की। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीएसपी मुख्यालय एवं क्राइम कुलवंत सिंह ने की। उन्होंने कहा, सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारियों ने जिस निष्ठा और समर्पण से अपने कर्तव्यों का पालन किया है, वह पूरे विभाग के लिए प्रेरणास्रोत है। इनकी सेवा भावना आने वाली पीढ़ियों के लिए आदर्श है। समारोह में दोनों अधिकारियों को स्मृति चिन्ह, प्रशंसा पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया गया। उनके परिजनों को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया गया और उनकी भूमिका के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया। फतेहाबाद पुलिस का यह आयोजन कर्तव्यनिष्ठ कर्मचारियों के प्रति आभार और सम्मान प्रकट करने की एक सराहनीय पहल रही।

स्क्रैप से भरी गाड़ी चोरी करने का आरोपी काबू

फतेहाबाद। थाना शहर टोहाना पुलिस ने वाहन चोरी और अपहरण जैसे संगीन अपराध में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जसप्रीत उर्फ जस्सी पुत्र गुरजंट सिंह निवासी जिला संगरूर, पंजाब के रूप में हुई है। इससे पहले इसी मामले में पुलिस ने अरुण उर्फ चिड़ी पुत्र जोगिंदर कुमार निवासी गांव अजीमपुर, जिला कैथल को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद सिंह ने बताया कि यह मामला 22 अगस्त को जोनी पुत्र शिशपाल निवासी गांव कन्हड़ी, जिला फतेहाबाद की शिकायत पर दर्ज किया गया था। जोनी टोहाना रोड स्थित एक स्क्रैप दुकान पर चौकीदारी करता है। शिकायत के अनुसार, 21 अगस्त की रात लगभग 12:20 बजे, शिकायतकर्ता ने देखा कि कुछ अज्ञात व्यक्ति दुकान के बाहर खड़ी स्क्रैप से भरी आईसर गाड़ी के साथ छेड़छाड़ कर रहे थे। जब उसने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो आरोपियों ने उसे पकडक़र जबरन एक कार में बिठा लिया।

टोहाना में गणेश महोत्सव की धूम, भगवान कृष्ण व सुदामा की झांकियों में समझाया मित्रता का महत्व

हरिभूमि न्यूज ⏭ टोहाना

शहर में श्री गणेश महोत्सव की धूम देखने को मिली रही है जिसके तहत शिवा गली स्थित गणेश महोत्सव को बच्चों द्वारा शानदार तरीके से मनाया जा रहा है। गत रात्रि बच्चों द्वारा भगवान श्री कृष्ण सुदामा की सुंदर झांकी दिखाई गई जिससे युवाओं को मित्रता का महत्व समझाया गया। इस झांकी में देव ने भगवान श्री कृष्ण व नक्श गोयल ने सुदामा का किरदार बखूबी निभाया जिसे देखकर सभी उपस्थित लोगों ने तालियां बजाकर स्वागत किया। इस दौरान गरीब सुदामा मुठ्ठी भर चावल लेकर पत्नी के बार बार कहने पर अपने बचपन के दोस्त श्री कृष्ण से मिलने जाते है जिसमें वे द्वारपालों द्वारा रोक दिए जाते है लेकिन जब द्वारपाल भगवान श्री कृष्ण को सुदामा संदेश देते है तो वे भाग कर आते है और अपने मित्र को गले लगाकर अपने सिंहासन पर बैठाकर उनके पांव धोते है। इस दौरान कलाकारों ने 'अरे द्वारपालों उस कन्हैया से कह दो कि मिलने सुदामा गरीब आ गया है' पर प्रस्तुति दी। वहीं नक्श गोयल ने 'मनै एक जरूरी काम कान्हा कहां मिलेंगे' पर भी प्रस्तुति दी। इस अवसर पर सभी बच्चे खुश नजर आए।

टोहाना। अपने मित्र सुदामा के पांव धोते भगवान श्री कृष्ण झांकी का दृश्य

एमएम कॉलेज ऑफ एजुकेशन में क्राफ्ट मेकिंग पर विशेष कार्यशाला आयोजित

- विद्यार्थियों ने कार्यशाला में उत्साह से हिस्सा लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

मनोहर मेमोरियल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, फतेहाबाद में आज एलुमनी एसोसिएशन एवं फाइन आर्ट विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कॉलेज की एलुमनाई सदस्य नुपुर ने विद्यार्थियों को आर्ट इंटीग्रेटिड लर्निंग इन क्राफ्ट मेकिंग विषय पर मार्गदर्शन दिया। नुपुर ने छात्रों को बताया कि किस प्रकार कला को शिक्षा के साथ जोडक़र सीखने की प्रक्रिया को और अधिक रोचक एवं प्रभावी बनाया जा सकता है। उन्होंने क्राफ्ट मेकिंग के माध्यम से शिक्षण की नई तकनीकें सिखाई, जिससे विद्यार्थियों में सृजनात्मकता, कल्पनाशक्ति और व्यवहारिक ज्ञान का विकास हो सके। कार्यशाला में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

फतेहाबाद। एमएम बीएड कॉलेज में आयोजित कार्यशाला में भाग लेती छात्राएं।

एलुमनी एसोसिएशन को सराहा

कॉलेज प्राचार्य ने नुपुर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एलुमनी एसोसिएशन का यह प्रयास सराहनीय है और छात्रों के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में कला, रचनात्मकता और शिक्षण कौशल को प्रोत्साहित करते हैं।

शिक्षकों को आपस में लड़ाकर अपनी कमियों पर पर्दा डाल रही है सरकार : राजपाल

फतेहाबाद। शिक्षक ट्रांसफर नीति पर हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ ने कड़ा विरोध जताया है। प्रदेशभर के शिक्षकों द्वारा इस नीति के विरोध में और अन्य मांगों को लेकर 7 सितम्बर को पानीपत में शिक्षा मंत्री आवास पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इस प्रदर्शन में फतेहाबाद जिले से भी सैंकड़ों अध्यापक भाग लिया।यह बात हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के जिला प्रधान राजपाल मिताथल, जिला सचिव देसराज माचरा, जिला वरिष्ठ उप प्रधान डॉ नीतू डुडेजा व राज्य ऑडिटर सुरजीत दुसाद ने कही। अध्यापक नेताओं ने कहा कि हाल ही में शिक्षक ट्रांसफर नीति के बारे में मिली खबरों अनुसार इसमें पति-पत्नी अंक कटौती का प्रावधान, शिक्षक समुदाय में गहन विवाद और मनोवैज्ञानिक तनाव का कारण बना हुआ है। यह नीति न केवल शिक्षकों के व्यक्तिगत और पारिवारिक जीवन को प्रभावित कर रही है, बल्कि यह संवैधानिक मूल्यों, मानवीय मूल्यों, और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के भी विपरीत है। उन्होंने मांग की कि सरकार तुरन्त प्रभाव से अध्यापकों की ट्रांसफर करे और रूल 2012 निरस्त कर सभी अध्यापकों की एसीपी लगाई जाए। शिक्षा विभाग तालमेल कमेटी पूर्व में निदेशक द्वारा मानी गई मांगों का शीघ्र निपटान करते हुए पत्र जारी करे।

स्कूलों को बंद करने की साजिश

अध्यापक नेताओं ने कहा कि शिक्षक समुदाय को आपस में लड़ाकर, सरकार अपनी प्रशासनिक विफलताओं और नीतिगत कमियों पर पर्दा डाल रही है। भर्ती ना करके केप्ट पद को जायज ठहरा रही हैं। मानव संसाधन की बचत की आड़ में स्कूल बंद करने व शिक्षकों को सजा देकर वीआरएस के लिए मजबूर करना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि ट्रांसफर प्रक्रिया जानबूझकर दण्ड देने की प्रक्रिया बना दी गई हैं।

आठवें वेतन आयोग का गठन कर वेतन विसंगतियों को दूर करे सरकार

परिवहन विभाग की तबादला नीति को रद करने की मांग

विभाग के महानिदेशक के साथ मांगों पर बनी सहमति को लागू करे सरकार

- हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन ने मांगों को लेकर बनाई रणनीति

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन सम्बंधित सर्व कर्मचारी संघ ने मांग दिवस मनाते हुए डिपो कमेटी की मीटिंग की गई। मीटिंग की अध्यक्षता डिपो प्रधान शिवकुमार श्योराण ने की व संचालन डिपो सचिव सुबे सिंह धनाणा ने किया। बैठक में आठवें वेतन आयोग का गठन, समान काम समान वेतन, पुरानी पेंशन बहाली, रेगुलराइजेशन और खाली पदों पर भर्ती करने और निजीकरण पर रोक लगाने की मांग की गई। उन्होंने कहा कि सरकार अपने वायदे के अनुसार सभी खाली पदों पर प्रमोशन करें। राज्य प्रधान नरेंद्र दिनोद ने बताया 22 मई को महानिदेशक के साथ हुई बातचीत में जिन मांगों पर सहमति बनी थी। उनमें चालकों, लिपिकों, परिचालकों का पे ग्रेड बढ़ाने, चालक व परिचालकों को एक माह में 30 रात्रि ठहराव के भुगतान की पावर महाप्रबंधकों को देने, 2004 से पहले लगे चालकों को नियुक्ति तिथि से पक्का करने व पुरानी पेंशन योजना में शामिल करने, चालक, परिचालक, निरीक्षक, उपनिरीक्षक व कर्मशाला के कर्मचारियों को मिलने वाले देय अर्जित अवकाश पूर्व की भांति एक वर्ष में 33 अवकाश देने व चालको की पदोन्नति के लिए 194 पोस्ट अड्डा इंचार्ज बनाने, कर्मशाला में ग्रुप डी के कर्मचारियों को कॉमन कैडर से बाहर करने और तकनीकी वेतनमान देकर सभी पदों पर पदोन्नति का लाभ देने, 2008 के भर्ती परिचालकों को उपनिरीक्षक के पद पर शीघ्र प्रमोशन करने, 10 वर्ष के बकाया बोनस का भुगतान करना आदि शामिल थे। एचकेआरएन से लगे सभी कर्मचारियों को पक्का किया जाए। विभाग द्वारा भविष्य में पक्की भर्ती की जाए। निजीकरण बंद कर विभाग में 10 हजार बसें शामिल की जाए। चालकों का वेतनमान 53100, परिचालकों व लिपिकों का वेतनमान 35400 लागू हो।

फतेहाबाद। रोडवेज कर्मचारियों की बैठक को संबोधित करते शिव कुमार श्योराण।

छह सितंबर को आंदोलन की घोषणा करेंगे

कर्मचारी नेताओं ने कहा कि सरकार यूनियन को बुलाकर बातचीत के माध्यम से मांगों का समाधान करें अन्यथा रोडवेज यूनियन 6 सितम्बर को होने मीटिंग में आंदोलन की घोषणा करने पर मजबूर होगी। बैठक में राजकुमार बीघड़, विरेन्द्र कुलेरी, जोगिंदर रेढू, इंद्रपाल सहारण, अशोक कुमार, रवि कुमार, बुधदेव सहित अनेक कर्मचारी मौजूद रहे। डिपो प्रधान शिवकुमार श्योराण बताया कि हरियाणा सरकार व परिवहन विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ कई दौर की बातचीत में तबादला नीति में खामियों पर यूनियन लिखित आपत्ति जताते हुए तबादला निती रद्द करने की मांग कर चुकी है। चालकों-परिचालकों का आपसी स्थानांतरण किया जाए और कर्मचारियों को अपने गृह जिले में भेजा जाए?। अगर फिर भी सरकार पॉलिसी लागू करना चाहती है तो रोडवेज कर्मचारी आंदोलन करने पर मजबूर होंगे व आनलाइन तबादला नीति का डट कर विरोध करेंगे।